रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

बुधवार
15 अप्रैल -2026
वर्ष 10, अंक 219
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

संक्षिप्त समाचार

आई पैक डायरेक्टर विनेश चंदेल को ईडी ने दबोचा

- बंगाल चुनाव से 10 दिन पहले ईडी की कार्रवाई
- टीएमसी ने कहा-इससे डर का माहौल बनता है

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से 10 दिन पहले प्रवर्तन निदेशालय ने आई पैक के डायरेक्टर और को-फाउंडर विनेश चंदेल को गिरफ्तार किया है। उन्हें कोयला घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में सोमवार शाम दिल्ली में पकड़ा गया। ईडी की यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में विधानसभा चुनाव होने हैं। राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के लिए

चुनावी रणनीति बनाती है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया पर कहा कि चुनाव से 10 दिन पहले हुई यह कार्रवाई निष्पक्ष चुनाव पर सवाल उठाती है। उनका आरोप है कि चुनाव आयोग और ईडी जैसी एजेंसियों की चुनाव जैसे संवेदनशील समय पर कार्रवाई से डर का माहौल बनता है, निष्पक्षता का नहीं। बनर्जी ने कहा- अमित शाह और सीईसी ज्ञानेश कुमार और अपनी हर एजेंसी के साथ 4-5 मई को बंगाल आएं। बंगाल न डरेगा, न चुप रहेगा और न झुकेगा। यहां दबाव का जवाब विरोध से दिया जाता है। जांच एजेंसी ने दिल्ली में विनेश चंदेल के ठिकानों के अलावा बेंगलुरु में आई पैक के दूसरे को-फाउंडर और डायरेक्टर ऋषि राज सिंह, मुंबई में आम आदमी पार्टी के पूर्व कम्युनिकेशन इंचार्ज विजय नायर के ठिकानों पर भी छापे मारे गए थे। विनेश चंदेल आई पैक के प्रमुख चेहरों में से एक हैं और इस राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म के संस्थापकों में शामिल हैं। उन्होंने प्रशांत किशोर, प्रतीक जैन और ऋषिराज सिंह के साथ मिलकर इस कंपनी की नींव रखी थी।

लता मंगेशकर-आशा भोसले की याद में बनेगा अस्पताल

- भाई हृदयनाथ बोले-पुणे में एशिया का सबसे बड़ा हॉस्पिटल बनाने की कोशिश कर रहे हैं

मुंबई (एजेंसी)। सिंगर लता मंगेशकर और आशा भोसले की याद में पुणे में एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल बनाया जाएगा। दोनों सिंगर्स के भाई और म्यूजिक डायरेक्टर हृदयनाथ मंगेशकर ने सोमवार को यह जानकारी दी। हृदयनाथ मंगेशकर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पुणे में उनकी मां और लता मंगेशकर ने गरीबों की सेवा के लिए अस्पताल

बनाने का सपना देखा था। उन्होंने बताया कि करीब 25 साल पहले परिवार और डॉक्टरों ने इस अस्पताल को बनाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उस समय यह पूरा नहीं हो सका। हृदयनाथ ने कहा कि बाद में परिवार ने फैसला लिया था कि अस्पताल लता मंगेशकर के नाम पर बनाया जाएगा और इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी गई थीं। 16 तारीख के दिन इसके मुहूर्त की योजना थी, लेकिन इसी बीच अचानक आशा भोसले का निधन हो गया। उन्होंने कहा कि अब परिवार ने तय किया है कि अस्पताल लता मंगेशकर और आशा भोसले दोनों के नाम पर बनाया जाएगा। वो इसे एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

महंगाई के लिए रहिए तैयार, चुनाव बाद पड़ेगी भारी मार

- पेट्रोल 18 और डीजल 35 रुपए तक हो सकता है महंगा
- बंगाल सहित 5 राज्यों में चुनाव के बाद बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से पेट्रोल 18 और डीजल 35 प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मैक्वायरी की रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रूड ऑयल महंगा होने के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर हैं। इससे कंपनियों को नुकसान हो रहा है। ऐसे में पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों में चुनाव खत्म होने के बाद कंपनियां दाम बढ़ा सकती हैं।

हर दिन 1,600 करोड़ का नुकसान झेल रहीं कंपनियां- कच्चा तेल महंगा होने से कंपनियों को प्रति लीटर पेट्रोल पर 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए का घाटा हो रहा है। पिछले महीने के पीक पर ये तीनों कंपनियां हर दिन करीब 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान झेल रही थीं। एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती के बाद यह घाटा घटकर 1,600 करोड़ रुपए रह गया है। हर 10 डॉलर के उछाल से नुकसान करीब 6 रुपए प्रति लीटर बढ़ जाता है।

- **अमेरिका सहित कई देशों ने बढ़ाए पेट्रोल-डीजल के दाम-** अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमतें अगस्त 2022 के बाद पहली बार 4 डॉलर प्रति गैलन से ऊपर पहुंच गई हैं। वहीं पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका सहित कई पड़ोसी देशों ने भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफा किया है।

भारत 88 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है

भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से 45 फीसदी मिडिल ईस्ट और 35फीसदी रूस से आता है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें न केवल तेल कंपनियों, बल्कि देश के चालू खाता घाटे के लिए भी खतरा हैं। अनुमान है कि 2026 की पहली तिमाही में यह घाटा बढ़कर 20 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। सरकारी राजस्व में तेल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी का योगदान लगातार कम हो रहा है। वित्त वर्ष 2017 में यह 22 फीसदी था, जो अब घटकर सिर्फ 8 फीसदी रह गया है। अगर सरकार पूरी एक्साइज ड्यूटी हटा भी दे, तो भी मौजूदा कीमतों पर घाटा खत्म नहीं होगा।

मुख्यमंत्री हेमंत पत्नी संग पहुंचे तपोवन, विकास और आस्था का दिखा संगम

अन्नपूर्णा गुप्ता, मुख्य संपादक, नई दिल्ली/

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना सोरेन के साथ रांची के निवारणपुर स्थित श्री राम जानकी तपोवन मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। मुख्यमंत्री ने पूरे झारखंड की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूजा के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर के नवनिर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों और समिति के सदस्यों से काम की प्रगति की जानकारी ली। मंदिर को भव्य रूप देने के लिए तेजी से काम चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रमुख धार्मिक स्थलों को बेहतर बनाने की दिशा में सरकार काम कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि तपोवन मंदिर के विकास में हर जरूरी सहयोग दिया जाएगा। इस मौके पर मंदिर के महंत ओमप्रकाश शरण, नवनिर्माण समिति के प्रणय कुमार और स्थानीय लोग मौजूद थे। सभी ने मिलकर मंदिर के विकास की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प दोहराया। मुख्यमंत्री हेमंत पत्नी संग पहुंचे तपोवन, विकास और आस्था का दिखा संगम रांची। रांची के निवारणपुर स्थित श्री राम जानकी तपोवन मंदिर में दिन खास रहा। मंदिर परिसर में सुबह से ही अलग तरह की हलचल थी। जैसे ही सीएम हेमंत सोरेन और उनकी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन वहां पहुंचे, माहौल पूरी तरह भक्ति में डूब गया। घंटियों की आवाज, मंत्रोच्चार और श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने इस पल को और खास बना दिया। सीएम ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर पूरे झारखंड की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। आस्था के साथ जुड़ा विकास का काम यह सिर्फ एक धार्मिक यात्रा नहीं थी, बल्कि विकास की तस्वीर भी यहां साफ दिखी। पूजा के बाद मुख्यमंत्री सीधे मंदिर के नवनिर्माण कार्यों को देखने पहुंचे। उन्होंने हर हिस्से को ध्यान से देखा और काम की प्रगति को समझा। उनके साथ मौजूद अधिकारियों और समिति के सदस्यों ने बताया कि मंदिर को भव्य रूप देने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। मंदिर को नया रूप देने की तैयारी मंदिर नवनिर्माण समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को विस्तार से बताया कि आने वाले समय में यहां श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं तैयार की जाएंगी। साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था, रास्तों का सुधार और अन्य जरूरी सुविधाओं पर काम हो रहा है। कोशिश है कि तपोवन मंदिर सिर्फ आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि एक आकर्षक धार्मिक स्थल के रूप में भी पहचान बनाए। श्रद्धालुओं की उम्मीदें भी जुड़ीं मंदिर पहुंचे स्थानीय लोगों के लिए यह पल उत्साह भरा रहा। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि अगर मंदिर का विकास इसी तरह होता रहा तो यहां आने वालों की संख्या और बढ़ेगी। इससे इलाके की पहचान भी मजबूत होगी और आसपास के लोगों को रोजगार के अवसर भी मिल सकते हैं। सरकार के सहयोग का भरोसा मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि राज्य के प्रमुख धार्मिक स्थलों को बेहतर बनाने की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि तपोवन मंदिर के विकास में भी हर जरूरी सहयोग दिया जाएगा, ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। मौके पर ये लोग रहे मौजूद इस दौरान मंदिर के महंत ओमप्रकाश शरण, नवनिर्माण समिति के प्रणय कुमार समेत कई सदस्य और स्थानीय लोग मौजूद रहे। सभी ने मिलकर मंदिर के विकास की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प दोहराया।

अब सम्राट चौधरी होंगे बिहार के नए मुख्यमंत्री

बीजेपी विधायक दल के नेता चुने गए, आज 11 बजे शपथ

पटना (एजेंसी)। सम्राट चौधरी बिहार के नए सीएम होंगे। उन्हें बीजेपी विधायक दल का नेता चुना गया है। एनडीए की बैठक के बाद इसकी औपचारिक घोषणा हो गई है। कल 15 अप्रैल को लोकभवन में शपथग्रहण समारोह

होगा। इसके साथ ही बिहार में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री होगा। आज नीतिश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा दे दिया। वे सम्राट चौधरी और विजय चौधरी के साथ एक ही गाड़ी से राजभवन पहुंचे और राज्यपाल को इस्तीफा सौंपा। इस्तीफे के बाद उन्होंने एक्स पर लिखा- 'अब नई सरकार यहां का काम देखेगी। नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग रहेगा। आगे भी बहुत अच्छा काम होगा, बिहार बहुत आगे बढ़ेगा।'

संगठन और अनुभव बना ताकत

सम्राट चौधरी लंबे समय से भाजपा संगठन से जुड़े रहे हैं। उन्होंने पार्टी में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी उनकी भूमिका अहम रही है। सरकार में मंत्री और उपमुख्यमंत्री के तौर पर अनुभव हासिल किया। उनकी प्रशासनिक क्षमता को पार्टी ने प्राथमिकता दी है। यही वजह है कि उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए चुना गया। कल शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हो सकता है। राजभवन में इसकी तैयारियां शुरू होने की चर्चा है। नई कैबिनेट को लेकर भी मंथन जारी है। कौन-कौन मंत्री बनेगा, इस पर विचार किया जा रहा है। संतुलन साधने की कोशिश पार्टी स्तर पर चल रही है।

रांची में सरकारी खजाने पर डाकाः पशुपालन विभाग के दो कर्मियों ने 3 करोड़ रुपये का किया गबन

साजिद, राज्य ब्यूरो चीफ,झारखंड/

रांची। पशुपालन विभाग के तहत कांके स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ एनिमल हेल्थ एंड प्रोडक्शन में करीब 3 करोड़ रुपये की फर्जी निकासी का मामला सामने आया है। डीसी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर बनी जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट में दो कर्मियों, अकाउंटेंट मुनिन्द्र कुमार और संजीव कुमार, को इस गबन का जिम्मेदार ठहराया है। जांच में पता चला है कि दोनों ने मिलकर कुबेर पोर्टल पर वेतन बिल में गड़बड़ी की और सरकारी खजाने से ज्यादा पैसे निकाल लिए। यह गबन वित्तीय वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 तक चला। कोतवाली थाना में केस दर्ज कर लिया गया है और दोनों से पूछताछ जारी है। पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ेगी और जरूरत पड़ी तो और लोगों पर भी कार्रवाई होगी।

मोदी देशद्रोही, मुझसे तो नजर मिलाकर बात नहीं कर पाते

बंगाल में बोले राहुल गांधी,ट्रेड डील को बताया बेहद खतरनाक

कोलकाता (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बंगाल विधानसभा चुनाव को संबोधित करते हुए पीएम मोदी पर सीधा हमला बोला और उन्हें देशद्रोही तक बता डाला। राहुल गांधी ने कहा कि मालदा की रैली में कहा कि पीएम मोदी देश भक्त नहीं हैं बल्कि वह देशद्रोही हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील देश में छोटे और मध्यम उद्योगों को बड़ा नुकसान पहुंचाएगी। इसके चलते देश में बड़े पैमाने पर रोजगार का संकट भी पैदा होगा। उन्होंने इस दौरान एसआईआर की भी बात की। राहुल गांधी ने कहा कि एसआईआर में बड़ी संख्या में लोगों के नाम हटाए गए हैं और ऐसा करना असंवैधानिक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से गलत तरीके से हटे हैं। उन्हें कांग्रेस की सरकार आने पर वापस जोड़ा जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि कुछ साल पहले मैं कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4 हजार किलोमीटर चला।

भाजपा ने अपना पूरा पैसा अडानी के पास रख दिया है

रायबरेली के सांसद ने कहा कि भाजपा ने अपना पूरा पैसा अडानी के पास रख दिया है। नरेंद्र मोदी की सरकार हर ठेका और हर काम अडानी को ही देती है। ऐसा इसलिए क्योंकि वह सरकार को पैसा देता है और समर्थन देता है। मीडिया भी चलाता है। अडानी की कंपनी का नाम तो मोदानी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अडानी तो भारत के बाहर भी नहीं जा सकता और यदि वह बाहर निकले तो फिर अमेरिका उनको पकड़ लेगा। अमेरिका को पता लग गया है कि क्या चल रहा है। अडानी के खिलाफ जो केस है, वह वास्तव में नरेंद्र मोदी पर है। डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि मैं दो मिनट में नरेंद्र मोदी का करियर खत्म कर दूंगा, लेकिन यह चूं तक नहीं कर पाते।

अमेरिका बातचीत नहीं, शर्तें थोपना चाहता है

ईरान बोला-उनकी नीयत पर शक,पीस डील पर मीटिंग संभव

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान ने अमेरिका पर बातचीत के बजाय शर्तें थोपने का आरोप लगाया है। भारत में ईरान के सुप्रीम लीडर के प्रतिनिधि अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने कहा कि अमेरिका की मंशा शुरू से ही संदिग्ध रही है। अयोध्या में दिए बयान में इलाही ने कहा कि अमेरिका बातचीत नहीं करना चाहता, बल्कि दबाव बनाकर अपनी शर्तें मनवाना चाहता है। उन्होंने यह भी कहा कि एक तरफ अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने की बात करता है, वहीं दूसरी तरफ वहां नाकाबंदी कर रहा है। इलाही ने कहा कि ईरान युद्ध नहीं चाहता और शांति का समर्थन करता है, लेकिन अमेरिका का रवैया इसके विपरीत है। दूसरी तरफ अमेरिका और ईरान के बीच

पीस डील को लेकर गुरुवार तक दूसरी बैठक होने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश आमने-सामने बातचीत के जरिए समाधान तलाशने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि बढ़ते तनाव को खत्म किया जा सके।

ईरान बोला- युद्ध में 25 लाख करोड़ का नुकसान हुआ

ईरान ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल के हमलों से उसे करीब 270 अरब डॉलर (25 लाख करोड़ रुपए) का नुकसान हुआ है। ईरान सरकार के प्रवक्ता फातेमेह मोहाजेरानी ने बताया कि यह आंकड़ा और ज्यादा बढ़ भी सकता है। फातेमेह मोहाजेरानी ने बताया कि ईरान की तरफ से बातचीत करने वाली टीम इस मुद्दे को भी उठा रही है। खासकर इस्लामाबाद में हुई बातचीत में युद्ध के नुकसान की भरपाई की मांग की गई थी। ईरान ने साफ किया है कि वह शांति के लिए तैयार है, लेकिन उसकी कुछ शर्तें हैं। ईरान चाहता है कि उसे यूरेनियम एनरिचमेंट का अधिकार मिले।

आज जारी होगा एमपी शिक्षा बोर्ड का रिजल्ट

टॉपर्स को कैश प्राइज और लैपटॉप देगी सरकार

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में कक्षा 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम कल 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे घोषित किया जाएगा। रिजल्ट की घोषणा मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से भोपाल स्थित बोर्ड मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की जाएगी। रिजल्ट की ऑफिशियल डेट बोर्ड ने सोमवार (13 अप्रैल 2026) को ही जारी कर दी थी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी रिजल्ट की तारीख की पुष्टि कर दी थी। इस साल एमपी बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले स्टूडेंट रिजल्ट जारी होने के बाद ऑफिशियल वेबसाइट पर अपना परिणाम चेक कर पाएंगे।

टॉपर्स को किया जाएगा सम्मानित, तैयारी पूरी

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की प्रेस कॉन्फ्रेंस में 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं के टॉपर्स का नाम भी जारी किया जाएगा और फिर उसके बाद जो टॉपर्स होंगे उन्हें राज्य सरकार की ओर से कैश प्राइज और अन्य ईनाम के साथ सम्मानित भी किया जाएगा। राज्य में टॉप पोजीशन हासिल करने वाले स्टूडेंट्स को मुख्यमंत्री मोहन यादव की ओर से सम्मानित किया जा सकता है। साथ ही प्राइज मनी और ईनाम भी दिए जाएंगे। मध्य प्रदेश बोर्ड 10वीं और 12वीं में टॉप करने वाले छात्रों को सरकार की ओर से 25 हजार रुपए की कैश राशि और लैपटॉप दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

गिरिडीह में पिकअप वैन ने पोल और पेड़ तोड़ा

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह के मोहलीचुवां स्थित एसपी आवास के पास सोमवार रात एक तेज रफ्तार पिकअप वैन अनियंत्रित होकर बिजली के पोल और पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बिजली का पोल टूट गया और पास का पेड़ भी उखड़कर गिर पड़ा। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास के लोगों का कहना है कि अगर वाहन सीधे किसी घर या राहगीर से टकराता, तो बड़ा हादसा हो सकता था। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।जानकारी के मुताबिक, टक्कर की तेज आवाज सुनकर लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और मौके पर भीड़ जमा हो गई। कुछ देर तक इलाके में दहशत का माहौल बना रहा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने वाहन चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है, वहीं पुलिस अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली। लोगों ने सड़क जाम कर विरोध जताया और प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। वार्ड पार्षद मुन्ना रजवार ने कहा कि इस क्षेत्र में लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे भय के माहौल में जी रहे हैं। रात में भी असुरक्षा महसूस करते हैं। लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द स्पीड ब्रेकर, बैरिकेडिंग और सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की है।

भाजपा रांची पूर्वी जिला कमेटी की घोषणा, सत्यदेव मुंडा और मनोज चौधरी बने महामंत्री

रांची, एजेंसी। रांची पूर्वी जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नई जिला कमेटी की घोषणा की है. यह घोषणा भाजपा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की सहमति से की गई. रांची पूर्वी के जिला अध्यक्ष विनय कुमार महतो ने सोमवार को पदाधिकारियों की आधिकारिक सूची जारी की. नई कमेटी में अनुभवी नेताओं के साथ-साथ नए चेहरों को भी शामिल किया गया है. पार्टी ने संगठन में संतुलन बनाए रखने के लिए महिलाओं को भी अहम जिम्मेदारियां सौंपी हैं. इससे संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत करने का प्रयास किया गया है. कमेटी में सत्यदेव मुंडा और मनोज चौधरी को महामंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई है. दोनों नेताओं को संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने और पार्टी की नीतियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का दायित्व सौंपा गया है. जारी सूची के अनुसार उपाध्यक्ष पद पर प्रमोद सिंह, दिलीप सेठ, रोहित साहू, अनुराधा मुंडा और माधुरी देवी को नियुक्त किया गया है. वहीं मंत्री पद पर धीरेन्द्र नाथ महतो, अलख नाथ महतो, पूर्णिमा सिंहदेव, सत्यजीत सिंह और प्रज्ञा भारती को जिम्मेदारी दी गई है. कमेटी में कोषाध्यक्ष के रूप में अखिलेश यादव को नियुक्त किया गया है. इसके अलावा कार्यालय मंत्री के पद पर अमित कुमार मिश्रा और सह कार्यालय मंत्री के पद पर गोरख नाथ सिंह को जिम्मेदारी दी गई है. जारी सूची में उपाध्यक्ष और मंत्री पद पर एक-एक स्थान फिलहाल रिक्त रखा गया है. पार्टी सूत्रों के अनुसार इन पदों पर जल्द ही योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति की जाएगी. भाजपा की इस नई कमेटी का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना और आगामी चुनावों के लिए तैयारी करना है.

लोकायुक्त नियुक्ति में देरी पर हाईकोर्ट सख्त, 10 दिनों में अधिसूचना नहीं तो कड़ा आदेश होगा पारित

रांची, एजेंसी। झारखंड में लोकायुक्त, सूचना आयुक्त सहित अन्य संवैधानिक पदों पर लंबित नियुक्तियों को लेकर झारखंड हाईकोर्ट ने सोमवार को कड़ा रुख अपनाया। चीफ जस्टिस एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने सरकार के जवाब पर नाराजगी जताते हुए कहा कि मामले में बार-बार समय लेना उचित नहीं है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि जब चयन समिति लोकायुक्त के नाम की अनुशंसा कर चुकी है, तो अधिसूचना जारी करने में देरी क्यों हो रही है। कोर्ट ने चेतावनी दी कि यदि 10 दिनों के भीतर अधिसूचना जारी नहीं की गई, तो सख्त आदेश पारित किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 23 अप्रैल को निर्धारित की गई है। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन ने प्रारंभ में जानकारी के अभाव की बात कही, जिस पर अदालत ने उन्हें सरकार से जानकारी लेकर अवगत कराने को कहा। बाद में उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री से बातचीत के बाद जानकारी मिली है कि चयन समिति द्वारा अनुशंसित नाम 2-3 दिनों में राज्यपाल को भेजा जाएगा।वहीं सूचना आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर प्रार्थी पक्ष के अधिवक्ता अभय मिश्रा ने कहा कि पहले भेजी गई सूची को राज्यपाल ने लौटा दिया है। जानबूझकर ऐसे नाम भेजे गए, जो कानूनी रूप से सही नहीं हैं, ताकि नियुक्ति टलती रहे। मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति के बिना सूचना आयुक्तों की नियुक्ति का कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि संस्था का संचालन संभव नहीं होगा। बता दें कि इसको लेकर झारखंड एडवोकेट एसोसिएशन और राजकुमार की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है।

उत्पाद सिपाही नियुक्ति परीक्षा में गड़बड़ी का प्रयास: 166 आरोपी भेजे गए जेल, इनमें बिहार से 20 लोग,

10 लाख में डील, 3 लाख एडवांस

रांची, एजेंसी। उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी और पेपर लीक कराने के आरोप में गिरफ्तार किए गए 166 आरोपियों को रांची स्थित सिविल कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के बाद अदालत ने सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। इस मामले में पुलिस ने संगठित तरीके से काम कर रहे सॉल्वर गैंग और पेपर लीक नेटवर्क का पर्दाफाश किया है।

गिरोह के सरगना अतुल वत्स समेत कई अहम किरदारों की गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसियों को कई चौंकाने वाले तथ्य मिले हैं। पुलिस का कहना है कि यह पूरा नेटवर्क योजनाबद्ध तरीके से अभ्यर्थियों को परीक्षा में पास कराने के लिए सक्रिय था।

झारखंड के साथ बिहार के अभ्यर्थियों की संलिप्तता : इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि गिरफ्तार आरोपियों में बड़ी संख्या झारखंड के स्थानीय अभ्यर्थियों की है, लेकिन बिहार के 20 अभ्यर्थी भी इसमें शामिल पाए गए हैं। यह परीक्षा मैट्रिक स्तर की स्थानीय नियुक्ति के लिए आयोजित की गई थी, बावजूद इसके दूसरे राज्य के युवाओं की भागीदारी ने सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। झारखंड के गिरिडीह, हजारीबाग और रामगढ़ जिलों से सबसे अधिक गिरफ्तारियां हुई हैं। इसके अलावा रांची, पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा और अन्य जिलों से भी अभ्यर्थियों को पकड़ा गया है। वहीं बिहार के भोजपुर, बक्सर, पटना, औरंगाबाद, नालंदा समेत कई जिलों के युवक भी इस फर्जीवाड़े में शामिल पाए गए हैं।

गिरोह के मास्टरमाइंड और अन्य सहयोगियों पर शिकंजा : पुलिस ने इस पूरे मामले में कई प्रमुख आरोपियों की पहचान की है, जिनमें पटना के विकास कुमार, जहानाबाद के अतुल वत्स, रामगढ़ (मांडू) के आशीष कुमार और योगेश प्रसाद तथा पूर्वी चंपारण के मुकेश कुमार उर्फ शेर सिंह शामिल हैं। इसके अलावा रांची और आसपास के इलाकों से भी कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिन पर साजिश में शामिल होने का आरोप है। इनमें चिरौंदी के विनोद कुमार, जमशेदपुर के एक निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज के मालिक गौरव सिंह, धुर्वा के रमीज अंसारी और हटिया के इल्फाज खान प्रमुख हैं। पटना से गिरफ्तार चुलबुल यादव को भी रांची लाकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस लगातार अन्य संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

10 लाख में हुई थी डील, 3 लाख एडवांस लिया : गिरोह ने हर अभ्यर्थी से पास कराने के लिए 10-10 लाख रुपए में सौदा किया था। इसके एवज में तीन-तीन लाख रुपए एडवांस लिए गए थे। किसी ने चेक दिया तो किसी ने नकद भुगतान किया। इसके साथ ही अभ्यर्थियों से उनके मूल प्रमाण पत्र भी ले लिए गए थे। डील यह थी कि चयन के बाद पूरी रकम देने पर ही दस्तावेज लौटाए जाएंगे।

लग्जरी गाड़ियों से लाए गए थे सभी अभ्यर्थी : प्राप्त जानकारी के अनुसार पेपर लीक और सॉल्वर गैंग से जुड़े एजेंटों की भूमिका बड़े पैमाने पर थी। गिरोह के सरगना अतुल वत्स से जुड़े लोगों ने अभ्यर्थियों को तमाड़ थाना क्षेत्र के रड़गांव स्थित निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज तक पहुंचाने के लिए कई लग्जरी वाहनों का इस्तेमाल किया। इनमें स्विफ्ट कार, फोर्स कंपनी की दो सवारी गाड़ियां, हुंडई की कार, स्कॉर्पियो और एमजी हेक्टर शामिल हैं। पुलिस ने इन सभी वाहनों को जब्त कर लिया है।

होटल में अवैध शराब का भंडाफोड़: रामगढ़ पुलिस पर हमला कर फरार हुए तीन आरोपी फरार

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ जिले के बासल थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बलकुदरा सियारी टोला स्थित होटल साई रेसीडेंसी (द रॉयल फिस्ट रेस्टोरेंट) में छापेमारी कर भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब और बीयर जब्त की है। मामले में होटल मालिक समेत तीन लोगों को आरोपी बनाया गया है।

जानकारी के अनुसार, बासल थाना प्रभारी कैलाश कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि होटल में अवैध रूप से शराब का भंडारण किया गया है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने रात्रि गश्ती दल को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर होटल में छापेमारी शुरू कर दी, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

छापेमारी के दौरान पुलिस की मौजूदगी का आभास होते ही आरोपी मौके से फरार होने लगे। इस क्रम में थाना प्रभारी कैलाश कुमार ने एक आरोपी विशाल साव को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन उसने खुद को छुड़ाने के लिए पुलिस अधिकारी पर हमला कर दिया। बताया गया कि विशाल साव ने थाना प्रभारी को गेट में फंसाकर उनके बाएं हाथ और कलाई को घायल कर दिया।

साथ ही उनकी महंगी घड़ी भी तोड़ दी और धक्का देकर फरार हो गया। इस मामले में बासल थाना कांड संख्या 04/2026 के तहत दुकान मालिक राजेश साव (55 वर्ष), संजू साव (26 वर्ष) और विशाल साव (22 वर्ष) के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं और एक्साइज एक्ट की धारा 47 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने होटल के स्टाफ संतोष रजक (29 वर्ष, निवासी झालदा, जिला पुरुलिया, पश्चिम बंगाल) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कड़ाई से पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर होटल की सीढ़ी के पास रखे फ्रिज और अलमारी से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब और बीयर बरामद की गई।

गोड्डा में सड़क हादसा, मजदूर की मौके पर मौत

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा जिले के नगर थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई। यह घटना बीती रात तब हुई, जब एक तेज रफ्तार वाहन ने मजदूर को टक्कर मार दी। मृतक की पहचान मकुंदी डिगवानी निवासी 50 वर्षीय जगदीश यादव के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, जगदीश यादव काम खत्म कर बाजार से अपने घर लौट रहे थे। भागलपुर रोड स्थित रामनगर रेलवे स्टेशन के पास एक अज्ञात हाइवा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मजदूर ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल गोड्डा भेज दिया है और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि इस सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से इस मार्ग पर गति नियंत्रण और नियमित पुलिस गश्त की मांग की है। पुलिस फरार वाहन और उसके चालक की पहचान करने में जुटी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है।

विधायक पूर्णिमा साहू ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का किया जोरदार स्वागत

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र की भाजपा विधायक पूर्णिमा साहू ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 को भारत के लोकतंत्र के इतिहास का ऐतिहासिक कदम बताया. उन्होंने कहा कि इस अधिनियम से महिलाएं मतदाता से नीति-निर्माता बनेंगी और देश का लोकतांत्रिक चेहरा बदलेगा.

विधायक पूर्णिमा साहू ने बिस्टुपुर स्थित सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सितंबर 2023 में पारित यह संवैधानिक संशोधन लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए एक-तिहाई (33%) सीटों का आरक्षण सुनिश्चित करता है. यह आरक्षण अनुसूचित जाति (स्ट) और अनुसूचित जनजाति (स्ज्ञ) की सीटों पर भी लागू होगा. उन्होंने बताया कि अधिनियम महिलाओं को नीति की लाभार्थी से नीति निर्माता बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा. इससे शासन की प्राथमिकताएं बदलेंगी पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण जैसे मुद्दों पर अधिक ध्यान मिलेगा तथा जवाबदेही बढ़ेगी.

पूर्णिमा साहू ने कहा कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ने से अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित होती है, आय में समानता आती है और समग्र विकास को गति मिलती है. यदि लैंगिक अंतर को कम किया जाए तो वैश्विक अर्थव्यवस्था में करीब 7 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि संभव है. उन्होंने आंकड़े देते हुए बताया कि 2024 तक कुल मतदाताओं में महिलाओं की संख्या 48.62 प्रतिशत है और 65.78 प्रतिशत महिलाओं ने मतदान किया, जो कई जगहों पर पुरुषों से अधिक है. फिर भी संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अभी सीमित है. 1952 में लोकसभा में केवल 22 महिलाएं थीं, जो 2024 में बढ़कर 75 हो गईं. राज्यसभा में यह आंकड़ा लगभग 17 प्रतिशत है. इसके विपरीत, पंचायती राज संस्थाओं में 46 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व और करीब 14.5 लाख महिला जनप्रतिनिधियों ने साबित कर दिया है कि अवसर मिलने पर महिलाएं बेहतर शासन दे सकती हैं.

विधायक ने जोर देकर कहा कि यह अधिनियम सिर्फ एक कानून नहीं, बल्कि नए भारत की आधारशिला है. यहां महिलाएं सिर्फ मतदाता नहीं रहेंगी, बल्कि देश की नीति और भविष्य तय करने वाली शक्ति बनेंगी. उन्होंने महाभारत का उदाहरण देते हुए कहा, 'अब कृष्ण नहीं आएंगे, द्रौपदी की लज्जा बचाने के लिए खुद लड़ना पड़ेगा.' उन्होंने अपील की कि इसे केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से न देखा जाए, बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण और संतुलित विकास के रूप में देखा जाए. यह अधिनियम विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा.

इस दौरान झारखंड महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष कल्याणी शरण, पोटका की पूर्व विधायक मेनका सरकार, भाजपा महानगर महिला मोर्चा अध्यक्ष नीलू मछुआ और प्रेम झा भी मौजूद रहीं. नारी शक्ति वंदन अधिनियम का क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन के बाद होना है, जिसे हालिया चर्चाओं में 2029 के चुनावों से पहले तेज करने के प्रयास हो रहे हैं.

सरायकेला में चैत्र पर्व सह छऊ महोत्सव में दिखा लोक कलाओं का भव्य संगम

सरायकेला, एजेंसी। झारखंड के सरायकेला जिले के बिरसा स्टेडियम में कला संस्कृति और पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसिय चैत्रपर्व के दूसरे दिन भी रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया . कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचारण संगीतमय आराधना के साथ हुआ. कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा. कार्यक्रम का शुभारंभ सरायकेला के कलाकारों द्वारा छऊ नृत्य प्रस्तुत कर किया गया. इस खास मौके पर डीसी नीतीश कुमार सिंह, एसपी मुकेश लुणायत, नगर पंचायत अध्यक्ष मनोज चौधरी, कलाकेंद्र के सचिव सह एसडीओ अभिनव प्रकाश, बीडीओ यस्मिता सिंह, डीपीआरओ अविनाश कुमार, डीटीओ गिरजा शंकर महतो, सहित कई पदाधिकारी,संगीत नाटक अकादमी के अवार्डी ब्रजेंद्र पट्टनायक, आर्टिस्ट एसोशिएसन के अध्यक्ष भोला महांती सहित काफी संख्या में कलाकार उपस्थित थे.

चैत्र पर्व सह छऊ महोत्सव के दुसरे दिन छऊ नृत्य का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ किया गया. इसके बाद राजकीय छऊ कलाकेंद्र के कलाकारों द्वारा सरायकेला छऊ नृत्य प्रस्तुत किया गया. ग्रामीण छऊ नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मानभूम शैली और खरसावां शैली छऊ के कलाकारों द्वारा छऊ नृत्य प्रस्तुत किया. कलाकारों ने सराईकेला छऊ के हर पार्वती नृत्य, देवदासी नृत्य, पताका नृत्य प्रस्तुत किया. महोत्सव में जीतराय हांसदा द्वारा रिंझा नृत्य प्रस्तुत किया गया. कार्यक्रम में ओडिशा के सुप्रसिद्ध गोटीपुओ नृत्य,पश्चिम ओडिशा के आदिवासी नृत्य घुड़का,कथक नृत्य,नटुआ नृत्य सहित अन्य नृत्य प्रस्तुत कर समां बांधा.

चैत्र महोत्सव का समापन 13 अप्रैल सोमवार यानी आज होगा. आंतिम दिन यानी समापन पर सरायकेला के कई कला केंद्र द्वारा रात्री जागरण करते हुए छऊ नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा. साथ ही कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा.

अधिकारियों की तरह नेताओं का पढ़ा-लिखा होना जरूरी, झारखंड के वित्त मंत्री ने बताया कैसे होगा

पाटन/नौडीहा बाजार (पलामू), एजेंसी। वित्त मंत्री सह स्थानीय विधायक राधाकृष्ण किशोर ने रविवार को पाटन के सिक्की कला पीएम श्री स्तरोन्नत उच्च विद्यालय व नौडीहा के नामुदाग उच्च विद्यालय के जीर्णोद्धार कार्य की आधारशिला रखी। निजी क्षेत्र की बैंक एचडीएफसी अपने सीएसआर फंड से इनके जीर्णोद्धार पर करीब दो करोड़ रूपये खर्च कर रही है।

अपने संबोधन में वित्त मंत्री ने कहा कि हमार सर्वांगींण विकास तभी होगा, जब अधिकारियों की तरह उच्च शिक्षित जनप्रतिनिधि का चयन हो। विकास के लिए केंद्र व राज्य की सरकारें अपनी ओर से राशि आवंटित करती है, लेकिन अगर सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के संस्थाएं अपने सीएसआर फंड का भी समुचित उपयोग करें तो सोने पर सुहागा सिद्ध होगा।

उन्होंने सिक्की उच्च विद्यालय को न सिर्फ प्लस टू का दर्जा दिलाने की घोषणा की, बल्कि बोर्ड परीक्षा में स्कूल की प्रथम तीन छात्राओं को एक-एक लाख रूपये देने का वादा किया। वित्त मंत्री ने एचडीएफसी बैंक के द्वारा समाजिक कार्यो से जुड़े किए गए इस पहल कि सराहना की।

उन्होंने कहा कि शिक्षा मानव जीवन का आधार है, यह अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का काम करता है।

उन्होंने कहा कि जब हम शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रयास करते हैं, तो फिर एक जनप्रतिनिधि का चयन हम अशिक्षित क्यों करें। मौके पर एचडीएफसी बैंक के सीएसआर विभाग के राज्य प्रमुख परविंदर सिंह, शाखा प्रबंधक रंजीत कुमार, उप शाखा प्रबंधक राकेश कुमार, प्रबोध कुमार,अनुप सिंह, अभिषेक सिंह, प्राचार्य नरेंद्र सिंह, शिक्षक प्रेमशंकर गुप्ता, अरविंद कुमार,अरूण सिंह, सुनील दूबे लक्ष्मण, राजकमल तिवारी, जेएमएम नेता रंजीत सिंह, सुधीर राय, थाना प्रभारी शशि शेखर पांडेय, राजीव कुमार, गोपाल पासवान, संतोष तिवारी व अन्य लोग मौजूद थे।

233 करोड़ रुपए से शहरी जलापूर्ति डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम 3 माह में सुधरेगा

रांची, एजेंसी। राजधानी की प्यास बुझाने वाले रुक्का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और जर्जर राइजिंग पाइप लाइनों की जल्द मरम्मत होगी। पेयजल विभाग स्वर्णरेखा शीर्ष कार्य प्रमंडल रूक्का द्वारा दो स्टेप में इसका प्रस्ताव तैयार किया, जिसकी मंजूरी मिल गई है। टेंडर की प्रक्रिया अंतिम चरण पर हैं। अगले दो से तीन महीने में फेज वाइज शहरी जलापूर्ति वितरण सिस्टम को मजबूत किया जाएगा।जरूरी काम प्राथमिकता के आधार पर पहले होंगे। एक योजना 164.30 करोड़ रु. और दूसरी 68.71 करोड़ की होगी। मामला प्रकाश में आने के बाद विभाग हरकत में आया।

रूक्का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के फिल्डर बेड नंबर एक, तीन, चार एवं 12 का पूर्ण जीर्णोद्धार डिवीजन एवं सबडिवीजन ऑफिस का ग्राउंड फ्लोर एवं स्वर्णरेखा बूटी डिवीजन के हेडवर्क का रिपेयरिंग होगा बूटी डिवीजन के पूरे कार्यालय का रिपेयरिंग 6मछली मार्केट रूक्का से शांतिवन रेस्तरां तक 900 एमएम डाई सीआई सेकेंड फेज के पाइप लाइन की स्पेशल रिपेयरिंग होगी यूजीआर लाइन रेंडो सुकुरहुटू में 1050 एमएम डाई के पाइल लाइन की रिपेयरिंग रूक्का स्वर्णरेखा डिवीजन के 30 डाई पाइप लाइन का रंगरोली रूक्का मोड़ से जीरो प्वाइंट तक बदला जाएगा रूक्का स्वर्णरेखा डिवीजन के सप्लाई एवं फिटिंग एवं फिक्सिंग कॉपर टयूब और फिल्टर बेड एक एवं 10 नंबर के जीआई पाइप लाइन तीन को बदला जाएगा। बूटी डिवीजन कपाउंड में डैमेज चहारदीवारी की मरम्मत 6जुमार पुल के पास 42 डाई के पाइप लाइन का लेड ज्वाइंट, सीआई पाइप को डीआई में बदलने का काम होगा रूक्का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के फिल्टर बेड नंबर एक और 20 के 24 एवं 30 डाई के फ्लोट वल्व को बदला जाएगा।

राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अंबेडकर प्रतिमा पर

माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि, 135वीं जयंती पर कार्यक्रम

रांची, एजेंसी। रांची में मंगलवार को भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस मौके पर राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने डोरंडा स्थित अंबेडकर चौक पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की. कार्यक्रम में प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं.

मुख्यमंत्री के साथ विधायक कल्पना सोरेन और राज्यसभा सांसद महुआ माजी भी इस अवसर पर उपस्थित रहीं. सभी ने संयुक्त रूप से बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया. इस दौरान रांची के उपायुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भी मौके पर मौजूद रहे और सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया.

राज्यपाल संतोष गंगवार ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर ने भारत के संविधान का निर्माण कर देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक ढांचा प्रदान किया. उन्होंने कहा कि बाबा साहब का योगदान सदैव याद रखा जाएगा और वे हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेंगे. राज्यपाल ने उनके विचारों को आज के समय में भी प्रासंगिक बताया. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज हम सभी एक लोकतांत्रिक भारत में रह रहे हैं, जिसका आधार बाबा साहब का संविधान है. उन्होंने कहा कि उनका योगदान किसी से छिपा नहीं है और न ही कभी छिपेगा. पूरी दुनिया उनके कार्यों और विचारों को सम्मान देती है.

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बाबा साहब ने समाज में समानता और न्याय की स्थापना के लिए जीवनभर संघर्ष किया. उन्होंने वंचित और शोषित वर्गों को अधिकार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उनका योगदान केवल इतिहास तक सीमित नहीं है बल्कि आज भी प्रेरणा देता है.

डोरंडा स्थित अंबेडकर चौक पर आयोजित इस कार्यक्रम में लोगों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली. राजनीतिक और प्रशासनिक प्रतिनिधियों की मौजूदगी ने इस अवसर को और भी महत्वपूर्ण बना दिया. सभी ने मिलकर बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की.

डॉ भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. रांची में हुआ यह आयोजन भी उसी श्रृंखला का हिस्सा था, जिसमें संविधान निर्माता को उनके योगदान के लिए याद किया गया और उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया.

संक्षिप्त समाचार

भाई ने कहा 'कपड़े धो दो', बहन को आया इतना गुस्सा कि खा लिया जहर

गढ़वा, एजेंसी। घर के छोटे-मोटे काम और भाई-बहन की आपसी नोकझोंक कभी-कभी कितना खतरनाक मोड़ ले सकती है, इसका उदाहरण झारखंड के गढ़वा जिला के कांडी थाना क्षेत्र के चौखड़ी गांव में देखने को मिला. यहां सिर्फ कपड़े धोने के विवाद में एक 18 वर्षीय युवती ने मौत को गले लगाने की कोशिश की. जानकारी के अनुसार, अजय साव की पुत्री काजल कुमारी (18 वर्ष) को उसके भाई ने अपने कपड़े साफ करने के लिए कहा था. काजल ने कपड़े धोने से मना कर दिया, जिसे लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हो गई. भाई की बात काजल को इतनी बुरा लगा कि उसने गुस्से में आकर घर में रखा जहरीला कीटनाशक खा लिया . युवती की हालत बिगड़ते देख परिजनों के होश उड़ गए. जल्दबाजी में उसे पहले मझिआंव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया. वहां स्थिति गंभीर देख डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया. गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती काजल का इलाज जारी है. डॉक्टरों ने बताया कि फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर है और वह खतरे से बाहर है.

निगम ने की गीला-सूखा कचरा अलग-अलग करने की अपील

रांची, एजेंसी। रांची नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सोमवार को 'स्वच्छांदोलन रैली' निकाली गई। यह रैली कचहरी चौक से शुरू होकर अल्बर्ट एक्का चौक होते हुए जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम तक पहुंची। नेतृत्व मेयर रोशनी खलखो, डिप्टी मेयर नीरज कुमार और नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने किया। शहरवासियों से अपील की गई कि कचरे का स्रोत स्तर पर ही पृथक्करण करें और गीला व सूखा कचरा अलग-अलग रखें। इस अभियान में समाज के हर वर्ग के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की गई, जिससे सामूहिक प्रयास के माध्यम से स्वच्छ रांची के लक्ष्य को प्राप्त करने का संकल्प मजबूत हुआ। रैली में स्वच्छ रांची की ब्रांड एंबेसडर और मिस यूनिवर्स झारखंड 2025 रिया तिर्की भी शामिल रहीं। इससे पहले मेयर ने उपस्थित सभी लोगों और कर्मियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। सामूहिक प्रयास से ही बेहतर रैंकिंग संभव : मेयर मेयर ने कहा कि जनसहभागिता और सामूहिक प्रयास से ही रांची को स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग मिलेगी। रैली में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और स्वच्छ, सुंदर व स्वस्थ रांची के संकल्प को दोहराया।

बैक टू स्कूल दुआर अभियान 2026: अनगड़ा में 15 से 30 अप्रैल तक चलेगा व्यापक कार्यक्रम

रांची, एजेंसी। रांची जिले के प्रखंड संसाधन केंद्र अनगड़ा में सोमवार को स्कूल रूआर 2026 (बैक टू स्कूल अभियान) विषय पर प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल से बाहर रह गए बच्चों को पुन : शिक्षा से जोड़ना और उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना है. कार्यशाला का शुभारंभ जिप सदस्य अनुराधा मुंडा और प्रमुख दीपा उरांव ने संयुक्त रूप से किया. कार्यक्रम में जिप सदस्य अनुराधा मुंडा ने कहा कि समग्र शिक्षा का मुख्य लक्ष्य 5 से 18 आयु वर्ग के सभी बच्चों को विद्यालयीय शिक्षा पूर्ण कराना है. उन्होंने बताया कि राज्य सरकार इस लक्ष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और विगत वर्षों में विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों के माध्यम से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं. अधिकारियों ने बताया कि स्कूल रूआर 2026 अभियान का मुख्य उद्देश्य उन बच्चों को पुन : विद्यालय में लाना है जो किसी कारणवश पढ़ाई से बाहर हो गए हैं. इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना भी है कि जो बच्चे विद्यालय में नामांकित हैं, वे नियमित रूप से उपस्थित रहें और उनकी पढ़ाई बाधित न हो. यह अभियान 15 अप्रैल से 30 अप्रैल तक पूरे विद्यालय स्तर पर संचालित किया जाएगा. कार्यशाला में इस बात पर जोर दिया गया कि बच्चों को शिक्षा से जोड़ने में केवल विद्यालय ही नहीं बल्कि समाज, पंचायत प्रतिनिधि और अभिभावकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है. जनप्रतिनिधियों ने कहा कि शिक्षक, विद्यालय प्रबंधन समिति, पंचायत प्रतिनिधि, समाजसेवी और शिक्षा विभाग के अधिकारी मिलकर इस अभियान को सफल बनाएं. अभियान के तहत विशेष रूप से प्रवासी बच्चों और स्कूल से बाहर रह गए बच्चों के अभिभावकों से संपर्क किया जाएगा. उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया जाएगा और बच्चों को पुन : विद्यालय में दाखिला दिलाने के लिए प्रेरित किया जाएगा. इसके लिए टीमों का गठन कर घर-घर संपर्क अभियान भी चलाया जाएगा. अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के दौरान विद्यालयों में प्रतिदिन अलग-अलग गतिविधियां आयोजित की जाएंगी. इन गतिविधियों में शिक्षक और छात्र दोनों की सक्रिय भागीदारी होगी. इससे बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ेगी और विद्यालय का माहौल अधिक आकर्षक बनेगा.स्कूल रूआर 2026 अभियान न केवल बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास है बल्कि यह राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है. इससे न केवल नामांकन दर बढ़ेगी बल्कि ड्रॉपआउट दर में भी कमी आएगी.

सरायकेला-खरसावां में जनवरी 2025 से अब तक 85 आगजनी की घटनाएं,

अग्निशमन विभाग ने निभाई अहम भूमिका

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला-खरसावां जिले में जनवरी 2025 से 13 अप्रैल तक आगजनी की कुल 85 घटनाएं दर्ज की गई हैं. इन घटनाओं में जिला अग्निशमन विभाग ने तत्परता दिखाते हुए समय पर मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और बड़े नुकसान को टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. विभाग की सक्रियता से कई जान-माल की रक्षा संभव हो सकी.

अग्निशमन विभाग की ओर से 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया जाएगा. इस दौरान विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. अग्निशमन पदाधिकारी ऋषि तिवारी ने बताया कि यह सप्ताह लोगों को आग से सुरक्षा के प्रति जागरूक करने और आपात स्थिति में सही कदम उठाने की जानकारी देने के लिए समर्पित है.

ऋषि तिवारी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल को अग्निशमन सेवा दिवस मनाया जाता है. यह दिन 1944 में मुंबई के विक्टोरिया डॉक (फोर्ट स्टिकाइन जहाज) में हुए भीषण विस्फोट में शहीद हुए 66 अग्निशामकों की स्मृति में मनाया जाता है. यह घटना देश के अग्निशमन इतिहास में एक दुखद और प्रेरणादायक अध्याय है. सरायकेला-खरसावां जिले में कुल सात अग्निशमन वाहन तैनात हैं. इनमें सरायकेला जिला मुख्यालय में दो, आदित्यपुर में तीन और चांडिल में दो वाहन शामिल हैं. ये सभी वाहन किसी भी आगजनी या आपदा की स्थिति में तुरंत कार्रवाई के लिए तैयार रहते हैं. इन वाहनों के माध्यम से जिले में आपातकालीन सेवाएं प्रभावी ढंग से दी जा रही हैं.

अग्निशमन विभाग में उच्च स्तर के तकनीकी रूप से प्रशिक्षित कर्मी कार्यरत हैं, जो अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जान और संपत्ति बचाते हैं. आग जैसी भयावह स्थिति में ये कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचकर आग पर नियंत्रण पाने का प्रयास करते हैं. उनकी तत्परता और साहस के कारण कई बड़े हादसों को टाला जा सका है.

अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान स्कूल, कॉलेज, कंपनियों और मॉल जैसे सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. लोगों को आग से बचाव के उपाय, आपात स्थिति में क्या करना चाहिए और अग्निशमन यंत्रों के उपयोग की जानकारी दी जाएगी. इससे आम नागरिकों की सुरक्षा क्षमता को मजबूत किया जाएगा.

14 अप्रैल को अग्निशमन सेवा दिवस पर विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. इस दौरान मुंबई बंदरगाह पर शहीद हुए अग्निशामकों को याद किया जाएगा. यह कार्यक्रम अग्निशमन कर्मियों के बलिदान और सेवा भावना को सम्मान देने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा.

अग्निशमन पदाधिकारी ऋषि तिवारी ने बताया कि अधिकतर आगजनी की घटनाएं लोगों की लापरवाही के कारण होती हैं. बंद स्थानों पर आतिशबाजी, जलती बीड़ी-सिगरेट को सूखी घास या कचरे में फेंकना जैसी लापरवाहियां बड़ी घटनाओं का कारण बनती हैं. उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और आग के प्रति जागरूक रहने की अपील की है.

अग्निशमन विभाग केवल आग बुझाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके कई महत्वपूर्ण कार्य हैं. इसमें आग लगने पर त्वरित प्रतिक्रिया, बचाव कार्य, इमारत ढहने या सड़क दुर्घटनाओं में सहायता, और खतरनाक परिस्थितियों में राहत कार्य शामिल हैं. इसके अलावा विभाग जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को सुरक्षित जीवन जीने की जानकारी भी देता है.अग्निशमन विभाग बहुआयामी भूमिका निभाता है.

स्वच्छ रांची के संकल्प के साथ निकली 'स्वच्छांदोलन रैली', जनभागीदारी से गूंजा शहर

रांची, एजेंसी। रांची नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत स्वच्छता के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोमवार को भव्य स्वच्छांदोलन रैली का आयोजन किया गया. इस रैली में नगर प्रशासक सुशांत गौरव, महापौर रोशनी खलखो समेत नगर निगम के तमाम पार्षद, पदाधिकारी, सफाई कर्मी और कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए.

खास बात यह रही कि इस अभियान में आम लोगों की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिली, जिससे स्वच्छता के प्रति लोगों की बढ़ती जागरूकता का संदेश स्पष्ट रूप से सामने आया. रैली में रांची नगर निगम की ब्रांड एंबेसडर और मिस यूनिवर्स झारखंड 2025 रिया तिर्की की मौजूदगी ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण दिया. उनकी भागीदारी से युवाओं के बीच स्वच्छता को लेकर सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ.

रैली नगर निगम कार्यालय से शुरू होकर कचहरी चौक, अल्बर्ट एक्का चौक होते हुए जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम तक पहुंची. इस दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में स्वच्छता से जुड़े संदेश लिखे बैनर और तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक किया.

रैली के दौरान पूरे मार्ग में 'स्वच्छ रांची, सुंदर रांची' और 'मेरा शहर, मेरी जिम्मेदारी' जैसे नारों से माहौल गूंजता रहा. राहगीरों और स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना की और कई जगहों पर लोग रैली में शामिल होते नजर आए. इससे यह साफ हुआ कि स्वच्छता अब केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि जन आंदोलन का रूप ले रही है.

रैली से पहले महापौर रोशनी खलखो द्वारा उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई. उन्होंने कहा कि शहर को साफ-सुथरा बनाए रखना केवल निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है. यदि सभी लोग मिलकर प्रयास करें, तो रांची को स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने का सपना जल्द ही साकार हो सकता है.

पलामू में मच्छर अगरबत्ती से मकान जला, सगाई के सामान सहित 8 लाख का नुकसान

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के पनेरीबांध गांव में सोमवार रात मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती से लगी आग में एक खपरैल मकान पूरी तरह जल गया। इस घटना में करीब आठ लाख रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है, जिसमें 50 हजार रुपए नगद भी शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, यह घटना रात करीब 10:30 बजे दिलीप पाठक के घर में हुई। घर के भीतर जलाई गई मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती से आग लगी, जो तेजी से कंडी-बांस के कच्चे मकान में फैल गई। घटना के समय परिवार के सदस्य सो रहे थे, जिससे उन्हें आग लगने की जानकारी देर से मिली। हालांकि, सभी सदस्यों ने भागकर अपनी जान बचा ली।आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मोटर पंप की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद देर रात 2 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। दिलीप पाठक ने बताया कि इस आगजनी में उनकी नतिनी की सगाई के लिए खरीदे गए सामान, सोने-चांदी के जेवरात, 50 हजार रुपए नगद, खाद्य सामग्री, कपड़े और फर्नीचर सहित अन्य घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गए हैं। घटना के समय दिलीप पाठक और उनकी पत्नी घर पर मौजूद नहीं थे, वे मंगलवार सुबह घर पहुंचे।

रांची विश्वविद्यालय में 21 शिक्षकों की विदाई तय ! कई विभागों पर मंडराएगा अकादमिक संकट

रांची, एजेंसी। रांची विश्वविद्यालय प्रशासन ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सेवानिवृत्ति कैलेंडर जारी कर दिया है. कैलेंडर के अनुसार आगामी एक वर्ष के भीतर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विभागों और विभिन्न एफिलेटेड कॉलेजों से कुल 21 शिक्षक सेवानिवृत्त होंगे. इससे कई महत्वपूर्ण विभागों में अनुभवी शिक्षकों की कमी महसूस की जा सकती है. कई पद खाली होने की संभावना है.

जारी सूची के मुताबिक, सेवानिवृत्ति का सिलसिला मई 2026 से शुरू होगा. मई माह में मांडर कॉलेज के वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक केशवरी प्रसाद शाही अपने कार्यकाल का समापन करेंगे. इसके बाद जून में विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर जूलॉजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ नयनी सक्सेना सेवानिवृत्त होंगी.

जुलाई 2026 में तीन शिक्षकों की विदाई तय है. इनमें विश्वविद्यालय वाणिज्य विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अमर कुमार चौधरी, गृह विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ मंजु कुमारी और मारवाड़ी कॉलेज के संस्कृत विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ रंजु लाल शामिल हैं.

जूलॉजी, कॉमर्स, हिंदी, इतिहास और गृह विज्ञान जैसे प्रमुख विषयों से वरिष्ठ शिक्षकों का एक साथ रिटायर होना विश्वविद्यालय के लिए चुनौती बन सकता है. अगस्त 2026 में विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ प्रकाश कुमार झा और भूविज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ सीपी महतो सेवानिवृत्त होंगे. वहीं, अक्टूबर में वाणिज्य विभाग के विश्वविद्यालय प्रोफेसर डॉ सुदेश कुमार साहू भी अपने पद से विदा लेंगे.

दिसंबर 2026 में सबसे अधिक शिक्षकों की सेवानिवृत्ति निर्धारित है. इस सूची में दर्शनशास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अजय कुमार सिंह, पीपीके कॉलेज बुंडू के मनोविज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक सुबोध चंद्र शुक्ला, गृह विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ आशा कुमारी, कॉमर्स विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ रविकांत मेहता और जूलॉजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ वंदना कुमारी शामिल हैं. इसके अलावा गृह विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ प्रभा नाग भी इसी दौरान सेवा से मुक्त होंगी.

जनवरी 2027 में विश्वविद्यालय के कई प्रमुख विभागों से शिक्षक रिटायर होंगे. इनमें हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ एचएन प्रसाद, भूगोल विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ जीतेंद्र शुक्ला, सहायक प्राध्यापक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह, मारवाड़ी कॉलेज की डॉ आशा ईएम टोप्पो, वाणिज्य विभाग के डॉ एमडी निजामुद्दीन जुबेरी और इतिहास विभाग की डॉ सुजाता सिंह शामिल हैं. फरवरी 2027 में केसीबी कॉलेज, बेड़ो के हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक मोहम्मद अब्दुल अयूब भी सेवानिवृत्त होंगे.

मारवाड़ी कॉलेज, पीपीके कॉलेज बुंडू और केसीबी कॉलेज बेड़ो जैसे एफिलेटेड कॉलेजों से भी वरिष्ठ शिक्षकों की विदाई तय है, जिससे शैक्षणिक गतिविधियों और प्रशासनिक व्यवस्था पर असर पड़ सकता है. विश्वविद्यालय प्रशासन के इस कैलेंडर से साफ है कि आने वाले समय में शिक्षकों की नियुक्ति और विभागों के पुनर्गठन की आवश्यकता और अधिक बढ़ेगी.

धनबाद श्मशान घाट विवाद: प्रशासन ने लगाया सरकारी बोर्ड, भू-माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

धनबाद, एजेंसी। जिले के पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत खेशमी में लंबे समय से चल रहा श्मशान घाट भूमि विवाद आखिरकार प्रशासनिक हस्तक्षेप से सुलझ गया है. सोमवार को प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए विवादित जमीन की मापी कराई और वहां सरकारी बोर्ड स्थापित कर दिया. इस कार्रवाई का नेतृत्व पूर्वी टुंडी के अंचल अधिकारी सुरेश प्रसाद वर्णवाल ने किया.

रामपुर पंचायत के खेशमी जोड़िया स्थित यह जमीन काफी समय से विवाद का कारण बनी हुई थी. ग्रामीणों का आरोप था कि इस भूमि पर अवैध कब्जे की कोशिशें लगातार हो रही थी. मामले को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा था, जिसके बाद उन्होंने प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की थी.

ग्रामीणों के आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर खाता संख्या 101, प्लॉट संख्या 554, कुल 11 डिसमिल भूमि की विधिवत मापी कराई. इस दौरान अंचल अधिकारी के साथ अमीन, राजस्व कर्मचारी और पुलिस बल भी मौजूद रहे, ताकि किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो.

मापी के बाद प्रशासन ने जमीन पर स्पष्ट रूप से सरकारी बोर्ड लगा दिया और यह घोषित किया कि यह गैर-आबाद सरकारी भूमि है. साथ ही चेतावनी दी गई कि इस जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण, कब्जा या खरीद-बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जेल भेजने तक की कार्रवाई शामिल है. प्रशासन की इस तेज और सख्त कार्रवाई से स्थानीय गांववालों को राहत मिली है. उन्हें उम्मीद है कि अब इस जमीन पर गैर-कानूनी काम पूरी तरह से बंद हो जाएंगे.

चारा घोटाला से भी बड़ा हो सकता है ट्रेजरी घोटाला, सांसद बोले- पूरे राज्य के ट्रेजरी की जांच की जरूरत

हजारीबाग, एजेंसी। जिले में ट्रेजरी घोटाला उजागर हो चुका है. 8 वर्षों में 15 करोड़ रुपए से अधिक अवैध निकास की पुष्टि हजारीबाग जिला प्रशासन ने कर दी है. यह आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है. इसी बीच हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि देश का सबसे बड़ा और बहुचर्चित चारा घोटाला से भी बड़ा घोटाला साबित हो सकता है. जरूरत है सरकार को ट्रेजरी का जांच करने की.

हजारीबाग सांसद ने कहा कि यह चारा घोटाला से भी बड़ा घोटाला साबित हो सकता है. ट्रेजरी किसी भी राज्य और जिला का सबसे महत्वपूर्ण अंग होता है. जब ट्रेजरी से ही घोटाला हो जाए तो यह समझा जा सकता है कि कितना बड़ा लूप फॉल है. उन्होंने कहा कि पूरे राज्य के ट्रेजरी की जांच होनी चाहिए और जो भी व्यक्ति इसमें संलिप्त है उसे कड़ी से कड़ी सजा होनी चाहिए.

उन्होंने यह भी कहा कि यह विषय राजनीति की नहीं है बल्कि राज्य की वित्तीय सुरक्षा की बात है. पिछले 6-7 साल से झारखंड मुक्ति मोर्चा और गठबंधन की सरकार है और इसके पहले भाजपा की सरकार थी. यह घोटाला वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान खुलासा हुआ है. ऐसे में वर्तमान सरकार को कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए.

हजारीबाग ट्रेजरी से 8 वर्षों में 15 करोड़ से अधिक रुपए का अवैध ट्रांजैक्शन हुआ है. बोकारो के बाद अब हजारीबाग में भी बड़ा स्कैम का खुलासा हुआ है. उसकी पुष्टि हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने की थी. अवैध निकासी की प्राप्त सूचना पर जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई करते हुए अपर समाहर्ता, हजारीबाग की अध्यक्षता में चार सदस्यीय जांच दल का गठन किया था.

जांच के दौरान यह पाया गया कि अवैध रूप से सरकारी राशि की निकासी की गई और इस राशि को विभिन्न संदिग्ध बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया. कुल 21 संदिग्ध बैंक खातों को फ्रीज करने का निर्देश संबंधित बैंकों को दिया गया है.

झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर गढ़वा के बूढ़ा पहाड़ के गांवों में विकास की रफ्तार परखेंगे

गढ़वा, एजेंसी। झारखंड के वित्तमंत्री राधा कृष्ण किशोर आज 13 अप्रैल को गढ़वा जिले के दौरे पर रहेंगे. इस दौरान वे बूढ़ा पहाड़ और टेहरी पंचायत के गांवों में चल रही विकास योजनाओं की जमीनी स्थिति की समीक्षा करेंगे.

झारखंड के वित्त, वाणिज्य-कर, योजना विकास एवं संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर आज गढ़वा जिले के सुदूरवर्ती और कभी नक्सलियों का गढ़ रहे बूढ़ा पहाड़ और टेहरी पंचायत के गांवों में चल रही विकास योजनाओं की हकीकत जानेंगे. जिला प्रशासन द्वारा जारी सूचना के मुताबिक मंत्री क्षेत्र में संचालित योजनाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लेंगे.

मंत्री श्री किशोर पूर्वाह्न 11:30 बजे समाहरणालय (कलेक्ट्रेट) स्थित सभागार में एक समीक्षा बैठक करेंगे. इस बैठक में बूढ़ा पहाड़ और टेहरी पंचायत के सभी गांवों में बुनियादी सुविधाओं जैसे- बिजली, सड़क, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य की उपलब्धता की बिंदुवार समीक्षा की जाएगी. बैठक में जिले के आला अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है.

तय कार्यक्रम के मुताबिक विकास कार्यों की समीक्षा के पश्चात अपराह्न 1:00 बजे मंत्री राधाकृष्ण किशोर स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों के साथ प्रेस वार्ता करेंगे. इस दौरान वे क्षेत्र के विकास को लेकर सरकार की भावी योजनाओं और समीक्षा बैठक के निष्कर्षों पर जानकारी साझा करेंगे.

दुमका में ग्रामीणों ने तीन कर्मियों को बनाया बंधक,

कोल ब्लॉक के भूमि सर्वेक्षण के लिए पहुंचे थे सभी

दुमका, एजेंसी। जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड में आवंटित कोल ब्लॉक का ग्रामीणों द्वारा विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है. सोमवार शाम भूमि सर्वेक्षण के लिए पहुंचे हरियाणा पावर कंपनी के तीन कर्मियों को ग्रामीणों ने बंधक बना लिया. जिसे प्रशासन ने लगभग एक बजे रात में काफी मशक्कत के बाद छुड़ाया.

दरअसल, दुमका जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड क्षेत्र के बादलपाड़ा इलाके में हरियाणा पावर को कोल ब्लॉक आवंटित हुआ है. कल सोमवार शाम कंपनी के अधिकारी और कर्मचारी ड्रिलिंग के लिए मौके पर पहुंचे. जैसे ही उन्होंने ड्रिल मशीन चालू किया, काफी संख्या में ग्रामीणों ने उन्हें घेर लिया.

ग्रामीणों का कहना था कि बिना ग्राम सभा कराए कैसे काम शुरू किया जा रहा है. देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और उन्होंने तीनों कर्मियों को बंधक बना लिया. जब यह सूचना शिकारीपाड़ा के अंचलाधिकारी कपिल देव ठाकुर और थाना प्रभारी अमित लकड़ा को हुई तो वे मौके पर पहुंचे.

पूरी जानकारी जब जिला मुख्यालय को हुई तब दुमका एसडीएम कौशल कुमार और एसडीपीओ विजय कुमार महतो शिकारीपाड़ा थाना पहुंचे. उनके निर्देश पर वहां से अतिरिक्त पुलिस बल को बादलपाड़ा भेजा गया. रात लगभग एक बजे काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने कोल कंपनी के कर्मियों को इस शर्त पर छोड़ा कि भविष्य में वे कभी भी बिना ग्राम सभा की अनुमति के नहीं आएंगे.

इस पूरे मामले में दुमका एसडीएम कौशल कुमार ने फोन पर बताया कि कोल कंपनी के कर्मी भूमि सर्वेक्षण के लिए पहुंचे थे. लेकिन ग्रामीणों ने उनका विरोध करना शुरू कर दिया और बंधक बना लिया. लोगों का कहना था कि बिना ग्राम सभा और उनकी बिना सहमति के काम क्यों शुरू किया. एसडीएम ने बताया कि देर रात उन लोगों को छुड़ा लिया गया है.

बता दें कि यह पहली घटना नहीं है, जब कोल ब्लॉक इलाके में ग्रामीणों ने लोगों को बंधक बनाया है. 20 फरवरी 2024 को महिला प्रशिक्षु प्रांजल ढांढा और अन्य सरकारी कर्मियों को भी शिकारीपाड़ा के लताकांदर के कोल ब्लॉक एरिया में बंधक बनाया गया था.

संक्षिप्त समाचार

बेगूसराय में 17 साल के लड़के पर जानलेवा हमला

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में आपसी विवाद में बदमाशों ने 17 साल के लड़के पर जानलेवा हमला कर दिया है। गला पर ब्लेड से हमला किया है। गंभीर हालत में अस्पताल में एडमिट कराया गया है। घायल की पहचान लौछे गांव निवासी लालो राय के पुत्र शिवम कुमार के तौर पर हुई है। घटना बखरी थाना क्षेत्र में बस स्टैंड के पीछे की है। शिवम प्लाई फैक्ट्री में काम करता है। शनिवार रात करीब 9 :30 बजे पहचान के एक युवक ने उसे बुलाया। रास्ते में किसी बात को लेकर बहस हो गई। विवाद बढ़ने पर गले सहित शरीर के अन्य हिस्सों में ब्लेड से मारकर जख्मी कर दिया। इसी बीच मोबाइल और करीब 2000 रुपए लेकर फरार हो गया। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। हालत नाजुक बनी हुई है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायल से घटना के संबंध में जानकारी ली। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। वारदात में शामिल लोगों की तलाश की जा रही है।

किशनगंज थानाध्यक्ष के ठिकानों पर ईओयू की छापेमारी

छपरा, एजेंसी। बिहार में आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक बड़े पुलिस अधिकारी पर शिकंजा कसता नजर आ रहा है। किशनगंज नगर थाना के थानाध्यक्ष अभिषेक रंजन के कई ठिकानों पर ईओयू की टीम ने छापेमारी शुरू की है। सारण जिले के भेल्दी थाना क्षेत्र के पैगा गांव निवासी अभिषेक रंजन, जो वर्तमान में किशनगंज नगर थाना में थानाध्यक्ष के पद पर तैनात हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। ईओयू की टीम ने किशनगंज स्थित उनके सरकारी आवास, थाना परिसर के कक्ष और पटना के रामकृष्णा नगर स्थित आवास पर एक साथ छापेमारी की। जानकारी के अनुसार, किशनगंज में तीन गाड़ियों से ईओयू की 6 सदस्यीय टीम पहुंची है, जिसमें एक महिला अधिकारी भी शामिल हैं। टीम सभी ठिकानों पर दस्तावेजों और सामानों की गहन जांच कर रही है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम अभिषेक रंजन के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले की जांच कर रही है। उनके ऊपर 1 करोड़ 70 लाख 22 हजार रुपये की आय से अधिक संपत्ति रखने का केस दर्ज किया गया है। छापेमारी के दौरान टीम सभी जरूरी दस्तावेजों और संपत्ति से जुड़े रिकॉर्ड को खंगाल रही है, ताकि मामले की सच्चाई सामने लाई जा सके।

बिहार में पूजा का प्रसाद खाने के बाद 35 लोग पड़े बीमार

मुजफ्फरपुर , एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में हादसा हुआ है. जहां पूजा के प्रसाद खाने के बाद 35 लोग अचानक बीमार हो गए. सभी को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है. मामला कटरा थाना क्षेत्र का है. दरअसल, खंगुरा डीह गांव में सत्यनारायण भगवान की पूजा संपन्न हुई थी. इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद बांटा गया था. प्रसाद खाने के कुछ घंटों बाद ही लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी. सुबह होते-होते कई लोगों को पेट दर्द, उल्टी और घबराहट की शिकायत होने लगी, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई. नियंत्रण में है सभी मरीजों की स्थिति' : परिजनों ने तुरंत सभी बीमार लोगों को कटरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. डॉक्टरों के अनुसार, यह मामला फूड प्वाइजनिंग का प्रतीत हो रहा है. फिलहाल सभी मरीजों की स्थिति नियंत्रण में है और किसी की हालत गंभीर नहीं बताई जा रही है. डॉक्टर मधुकर प्रसाद ने बताया कि सूचना मिलते ही मेडिकल टीम और दो एंबुलेंस मौके पर भेजी गई. जांच में सामने आया कि प्रसाद खाने के बाद लोगों को इंडाइजेशन (अपच) की समस्या हुई है. सभी मरीजों का इलाज जारी है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है. फिलहाल स्वास्थ्य विभाग की टीम मामले की जांच में जुटी है और प्रसाद के सैंपल की भी जांच की जा सकती है. प्रशासन की ओर से लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है.

तेजप्रताप की भविष्यवाणी- बिहार के अगले सीएम 'रामजी' होंगे, नीतीश पर क्या बोले

पटना, एजेंसी। बिहार की राजनीति में आज एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है. नई सरकार के गठन की सुगबुगाहट के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है. इसी बीच जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने नीतीश कुमार पर अपनी प्रतिक्रिया दी है.मीडिया से बातचीत में तेज प्रताप यादव ने कहा कि भगवान जाने उनके (नीतीश कुमार) मन में क्या चल रहा है. दुनिया में लोग कुर्सी पाने के लिए परेशान रहते हैं, लेकिन यहां तो वे कुर्सी छोड़कर भाग रहे हैं. उनके इस बयान ने सियासी माहौल को और गर्म कर दिया है. जब पत्रकारों ने उनसे बिहार के अगले मुख्यमंत्री को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने किसी नेता का नाम लेने के बजाय कहा कि अगले मुख्यमंत्री रामजी होंगे. तेज प्रताप के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं.तेज प्रताप यादव के 'रामजी' वाले बयान को लेकर अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं. कुछ लोग इसे भाजपा की 'राम' राजनीति पर तंज मान रहे हैं, तो कुछ इसे उनके अलग अंदाज की प्रतिक्रिया बता रहे हैं.

सबको भावुक कर गए नीतीश, बोले- जहां तक मुझसे हो सका, मैंने किया,

अब नई सरकार को मेरा मार्गदर्शन रहेगा

पटना, एजेंसी। बिहार की राजनीति का एक प्रभावशाली अध्याय समाप्त हो रहा है. जाहिर सी बात है इस दौरान भावनाओं में उबाल आना लाजमी है. इस दौरान सीएम नीतीश के 20 साल के कार्यकाल का समापन देखने को मिला. मगर, इस दौरान नीतीश कुमार के शब्दों में अनुभव, संतोष और विदाई का दर्द साफ झलक रहा था.

कैबिनेट की बैठक के बाद सीएम नीतीश ने मंत्रियों मुलाकात की. तमाम नेताओं से विदाई ली. इस दौरान भी काफी भावुक पल देखने को मिला. नीतीश कुमार का पूरा मंत्रिमंडल उन्हें पोर्टिको तक छोड़ने आया. इस दौरान तमाम अधिकारी भी नीचे तक आए. ये पल अपने आप में काफी भावुक करने वाला था. सभी ने सीएम नीतीश को उनकी गाड़ी तक छोड़ा और उनका अभिवादन किया.

यहां सचिवालय पोर्टिको में सबसे विदाई लेते वक्त सीएम नीतीश कुमार भी काफी भावुक मगर निश्चिंत नजर आए. वो अपने दोनों हाथ जोड़े हुए थे. और अपने तमाम अधिकारियों की ओर देख रहे थे. तमाम मंत्री और अधिकारी को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने कहा '2005 में मैं सरकार में आया... जहां तक मुझसे हो सका, मैंने किया... नई सरकार को मेरा मार्गदर्शन मिलता रहेगा.'

बिहार के विकास पुरुष नीतीश कुमार की इन बातों को सुनकर विदाई का पूरा माहौल भावुक हो गया. ऐसा लग रहा था जैसे सभी की आंखे लगभग छलकने को हैं. लेकिन सभी नेता और अधिकारी अपनी भावनाओं पर काबू करते नजर आए. इस दौरान कुछ चेहरे पर गर्व था, तो कुछ की आंखें नम दिखीं.

2005 से शुरू हुआ नीतीश कुमार का शासनकाल बिहार की राजनीति में स्थिरता, सुशासन और विकास से जुड़ा है. इस दौरान उन्होंने राज्य को कई बड़े फैसलों और योजनाओं के जरिए एक नई दिशा देने की कोशिश की. लेकिन आज की कैबिनेट बैठक सिर्फ एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं थी, यह एक युग के समापन का प्रतीक बन गई.

नीतीश कुमार की आखिरी कैबिनेट बैठक सिर्फ एक मीटिंग नहीं थी. यह बिहार की राजनीति के एक अहम दौर की भावुक विदाई थी. उनके शब्दों में जहां एक तरफ संतोष था, वहीं, दूसरी तरफ उनकी आंखों में 20 साल के राजनीतिक सफर की झलक थी. जिसे उन्होंने जिया था. अब हम सभी की निगाहें बिहार के भविष्य पर टिकी हैं. साथ ही बिहार की राजनीति के अगले अध्याय की ओर भी, कि बिहार का अगला सफर क्या होगा!

बिहार में पुलिस पर हमला, शराब की सूचना पर छापेमारी करने पहुंची थी टीम

बगहा, एजेंसी। बगहा पटखौली थाना इलाके में शराब की सूचना पर छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर एक तस्कर ने हमला कर दिया. घटना में एक सिपाही घायल हो गया. इस दौरान तस्कर भी जख्मी हो गया. दोनों का इलाज अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया. घटना बगहा रेलवे स्टेशन के पास की है.

जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि सेमरा-बगहा मुख्य मार्ग से भारी मात्रा में शराब की खेप गुजरने वाली है. सूचना के आधार पर क्यूआरटी के एसआई शौकत अली और एलटीएफ के एसआई एस.के. मांझी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर निगरानी कर रहे थे.

इसी दौरान रेलवे स्टेशन के पास एक व्यक्ति दो बड़े झोले के साथ आता दिखाई दिया. पुलिस को देखते ही वह भागने लगा. संदेह होने पर पुलिस टीम ने उसका पीछा किया. भागते समय तस्कर रेलवे लाइन की ओर भागा और पुलिस पर पत्थर फेंकने लगा. पीछा कर रहे सिपाही मिथिलेश कुमार ने साहस दिखाते हुए उसे पकड़ लिया. इस दौरान तस्कर ने सिपाही पर पत्थर से हमला किया और दांत से काटकर घायल कर दिया.

बाद में अन्य पुलिसकर्मियों की मदद से आरोपी को काबू में कर लिया गया. पुलिस ने जब उसके झोलों की तलाशी ली तो दोनों से कुल 10 लीटर देशी शराब बरामद की गई. घायल सिपाही और तस्कर को अनुमंडलीय अस्पताल बगहा ले जाया गया, जहां डॉ. अभिषेक कुमार ने उनका प्राथमिक उपचार किया.

पटखौली थानाध्यक्ष उत्पल कांत ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर की पहचान नरईपुर चीनी मिल निवासी शमीम अहमद के रूप में हुई है. वह पहले भी शराब तस्करी के कई मामलों में जेल जा चुका है. पूछताछ के बाद उसके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

जमुई में आखिरी नक्सली स्मारक की गई ध्वस्त:पुलिस-प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई, भय का प्रतीक जमींदोज

जमुई, एजेंसी। जमुई जिले के बरहट प्रखंड में नक्सलवाद के प्रतीक रहे अंतिम स्मारक को सोमवार को पुलिस और प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई में ध्वस्त कर दिया गया। गुरमाहा गांव के समीप स्थित इस स्मारक को जेसीबी मशीन की मदद से पूरी तरह जमींदोज किया गया। इस कार्रवाई से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है और क्षेत्र में विकास की राह खुलने की उम्मीद जगी है।

बरहट थाना पुलिस और एसटीएफ के जवानों ने इस अभियान को अंजाम दिया। कार्रवाई का नेतृत्व बीडीओ श्रवण कुमार पांडेय, सीओ किसलय कुमार, एसटीएफ डीएसपी और थानाध्यक्ष कुमार संजीव ने संयुक्त रूप से किया।

गुरमाहा गांव कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहा है। यहां नक्सलियों द्वारा जन अदालतें लगाई जाती थीं और मारे गए नक्सलियों की याद में यह स्मारक बनाया गया था। इस स्मारक पर समय-समय पर झंडे फहराकर सरकार को चुनौती दी जाती थी, जिसके कारण यह स्थानीय लोगों के लिए भय और आतंक का प्रतीक बन चुका था।

थानाध्यक्ष कुमार संजीव ने बताया कि यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल के निर्देश पर की गई है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र का अंतिम नक्सली स्मारक था, जिसे हटाकर नक्सल प्रभाव को पूरी तरह समाप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। स्मारक ध्वस्त होने के बाद ग्रामीणों में खुशी और राहत का माहौल है। लोगों का कहना है कि अब वे भयमुक्त जीवन जी सकेंगे और क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिलेगी। शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की उम्मीद भी बढ़ी है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा के हरनौत में खेत से 4-5 बम बरामद

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा जिले में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह प्रखंड हरनौत अंतर्गत चेरो सहायक थाना क्षेत्र के डिहरी पंचायत के मुसहरी गांव से बड़ी वारदात सामने आई है. खंधा इलाके में सोमवार शाम चार बजे एक प्लास्टिक के डिब्बे में रखे चार-पांच संदिग्ध बम मिलने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया. गेहूं की कटाई के लिए खेत पहुंचे किसानों ने बीच खेत में यह संदिग्ध विस्फोटक देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी.

बम देख ग्रामीणों में अफरा-तफरी का माहौलः बम मिलने की खबर फैलते ही सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए, जिससे इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया. स्थानीय किसानों ने बताया कि शाम ढलते ही वे मुसहरी गांव के पश्चिम दिशा में गेहूं काटने गए थे, तभी बीच खेत में डिब्बे के अंदर रखे बम उनकी नजर में आए. ग्रामीणों की त्वरित सूचना पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की और आम लोगों को सुरक्षित दूरी पर रखा.

'शाम ढलते ही गेहूं की कटाई के लिए कुछ किसान लोग मुसहरी गांव के पश्चिम दिशा में गेहूं के खेत गए थे. वहां देखा कि बीच खेत में एक डिब्बा रखा है, जिसमें चार-पांच की संख्या में बम रखा हुआ दिखाई दिया.

पुलिस ने इलाके को किया सीलः चेरो ओपी थाना प्रभारी रौशन कुमार ने बताया कि बम बरामद होने वाली जगह को सुरक्षा की दृष्टि से तुरंत घेराबंदी कर दिया गया है. वरिष्ठ पुलिस पदाधिकारियों को सूचना दे दी गई है और

जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. पुलिस टीम ने पूरे इलाके को अपने कब्जे में ले लिया है ताकि कोई अनहोनी घटना न हो. स्थानीय प्रशासन ने भी सतर्कता बरतते हुए इलाके में अतिरिक्त बल तैनात किया है.

बम निरोधक दस्ता बुलाया गयाः मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने संदिग्ध बमों को डिफ्यूज करने के लिए बम निरोधक दस्ते को बुलाया है. फिलहाल बमों को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय करने की प्रक्रिया चल रही है. प्रभारी रौशन कुमार ने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि बम किस उद्देश्य से वहां रखे गए थे, लेकिन मामले की गहन जांच की जा रही है.

डीएसपी ने जांच के दिए आदेशः नालंदा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटना की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी को मौके पर जांच के आदेश दिए हैं. पुलिस का मानना है कि यह किसी आपराधिक गतिविधि या साजिश से जुड़ा हो सकता है, इसलिए आसपास के इलाकों में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है. ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें.

पुलिस की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार बम क्रूड बम हो सकते हैं, जिन्हें आगे की फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा. चेरो ओपी थाना पुलिस ने पूरे मामले में जांच तेज कर दी है और आसपास के गांवों में पूछताछ शुरू कर दी है. फिलहाल इलाका पूरी तरह सुरक्षित है और किसी प्रकार की क्षति की सूचना नहीं है.

बिहार के कई पंचायतों में 2 वर्षों से पेयजल आपूर्ति बाधित, मुखिया संघ ने दिया अल्टीमेटम

औरंगाबाद , एजेंसी। बिहार के औरंगाबाद में गर्मी शुरू होने के साथ ही जिले के बारुण प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में पेयजल की समस्या शुरू हो गई है. पिछले 2 वर्षों से पीएचईडी द्वारा प्रखंड के पंचायतों में कोई भी काम नहीं कराया गया है. इस कारण नल जल योजना भी प्रभावित हुई है. नल जल की स्थिति भी दयनीय है.

नल जल योजना की स्थिति खराब : इस मामले को लेकर भोपतपुर, टेंगरा, रीयूर, पिपरा, गोठौली, काजीचक, पौथू पंचायत के प्रतिनिधि अपने अपने पंचायतों में नल-जल योजना की खराब स्थिति और पीएचईडी विभाग की निष्क्रियता के खिलाफ सोमवार को डीएम अभिलाषा शर्मा को एक आवेदन दिया. आवेदन में कहा गया है कि प्रखंड के अधिकांश गांवों में नल-जल योजना पूरी तरह से बाधित है.

30 फीट नीचे तक चला गया जल स्तर : कई स्थानों पर पाइपलाइन खराब हो चुकी है, जिससे घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है. वहीं कई गांवों में जलस्तर नीचे चले जाने के कारण मोटर सही ढंग से काम नहीं कर रहा है, जिससे पेयजल संकट गहरा गया है. ग्रामीणों को मजबूरन दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है. जनप्रतिनिधियों ने बताया कि कई गांवों में पानी 30 फीट से भी नीचे चला गया है, जिससे चापाकल भी पर्याप्त पानी नहीं दे पा रहा है. इसके कारण आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

मुखिया संघ का अल्टीमेटम : पानी नहीं मिल पाने के कारण पीएचईडी विभाग के प्रति नाराजगी भी बढ़ रही है. मुखिया संघ ने विभाग से मांग की है कि अगले 10 दिनों के भीतर नल-जल योजना की मरम्मत सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके. उन्होंने कहा कि समय पर समस्या का समाधान हो जाएगा तो ग्रामीणों को बहुत फायदा होगा.

मुखिया संघ मुद्दे पर गंभीर : इस मौके पर रिउर पंचायत के मुखिया अशोक कुमार सिंह, काजी चक पंचायत का मुखिया उदय कुमार पासवान, गोठौली पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मनोज चौधरी, पौथू पंचायत के मुखिया गणेश राम, पिपरा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि विजय कुमार सिंह, भोपतपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि कमलेश सिंह आदि मौजूद रहे.

वी विल मिस यू नीतीश जी, आपने करोड़ों दिलों को रूला दिया', जीतन राम मांझी का भावुक पोस्ट

पटना , एजेंसी। बिहार में सत्ता हस्तांतरण हो रहा है. नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले हैं. एक ओर जहां सरकार बनाने की कवायद चल रही है, वहीं दूसरी ओर कई लोग नीतीश कुमार से फैसले से आहत भी हैं.

'आपके ख्वाब ने करोड़ों दिलों को रूला दिया' : केन्द्रीय मंत्री व नीतीश कुमार के काफी करीबी रहे जीतन राम मांझी का दर्द छलका है. उन्होंने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर लिखा, ''नीतीश जी, अगले चौबीस घंटे में आप बिहार के मुख्यमंत्री पद को छोड़ देंगे. सबको पता है कि आपका यह ख्वाब था कि आप देश के चारों सदनों के सदस्य रहें पर आपके इस ख्वाब ने करोड़ों दिलों को रूला दिया है.''

'आप महामानव हैं' : जीतन राम मांझी ने आगे लिखा, भले ही मुख्यमंत्री पद को छोड़ने का फैसला आपका अपना फैसला है, जिसपर कोई सवाल नहीं खड़ा कर सकता, पर बिहार आज गमजदा है. हर बिहारी कह रहा है, वी विल मिस यू नीतीश जी. 'आप महामानव हैं, बिहार आपके बिना अधूरा है.'

'बिहार विल मिस यू नीतीश जी' : इससे पहले भी जीतन राम मांझी ने अपने दिल का हाल बयां किया था. 10 अप्रैल को जब नीतीश कुमार ने राज्यसभा सदस्य के रूप में सदस्यता ली, उस मौके पर जीतन राम मांझी ने लिखा था, आज मैं नीतीश जी को राज्यसभा के सदस्य के तौर पर शपथ लेने की बधाई नहीं दूंगा. बस इतना कहूंगा. बिहार विल मिस यू नीतीश जी. ये मैं ही नहीं पूरे बिहार की जनता कह रही है.

जीतन राम मांझी और नीतीश कुमार का रिश्ता : केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत कांग्रेस से की थी. बाद में वह जदयू में शामिल हुए थे. नीतीश कुमार ने उन्हें मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक बनाया था. इसके बाद हुई अनबन के कारण जीतन राम मांझी अलग हुए थे और 'हम' का निर्माण किए. हालांकि वह हमेशा नीतीश कुमार के साथ खड़े हुए दिखाई पड़े.

नीतीश बने राज्यसभा सांसद : बता दें कि नीतीश कुमार करीब 20 सालों से बिहार की राजनीति के शिखर पर रहे. वे अपने जीवन में 10 बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं. हाल ही में वे राज्यसभा सदस्य के रूप में निर्वाचित होने के बाद राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण की है. इस बीच, उन्होंने बिहार विधान परिषद की सदस्यता से भी त्यागपत्र दे दिया.

कांस्टेबल की परीक्षा देकर भाई के साथ बाइक से लौट रही थी छात्रा, ट्रक ने कुचला

औरंगाबाद, एजेंसी। बिहार के औरंगाबाद में सड़क हादसा हुआ है. जिले के बारुण थाना क्षेत्र के सोन पुल पर सोमवार को एक दर्दनाक घटना घटी है. जहां झारखंड के रामगढ़ से उत्पाद विभाग सिपाही भर्ती परीक्षा देकर वापस लौट रही छात्रा की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई है.

यूपी की छात्रा की बिहार में मौतः छात्रा की पहचान उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के निहालपुर गांव निवासी हरिश्चंद्र की 22 वर्षीय पुत्री अंजलि कुमारी के रूप में की गई है. वह रामगढ़ से उत्पाद सिपाही की परीक्षा देकर अपने भाई के साथ बाइक से घर लौट रही थी. उसी दौरान सोन पुल पर ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी.

भाई के साथ बाइक से लौट रही थी घरः अंजलि के भाई प्रकाश पटेल ने बताया कि वह अपनी बहन को लेकर रविवार को झारखंड के रामगढ़ कैंटोनमेंट छावनी स्थित रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती विद्या मंदिर में उत्पाद पुलिस की परीक्षा दिलाने लाए थे. शाम साढ़े पांच बजे वहां से वह रात्रि में बारुण पहुंचे. जहां सोन पुल के पास ही एक होटल में रुक गए. जहां से आने के दौरान ये हादसा हुआ.

प्रकाश ने बताया कि वह एक भाई और एक बहन है, अंजली उससे छोटी थी. उनके पिता खेती करते है. वह भी उसी में उनका हाथ बंटाते हैं. अंजलि बचपन से ही पढ़ने में काफी अच्छी थी और पुलिस सेवा में आना उसका सपना था. उसने इसके पूर्व भी बीएसएफ और अन्य परीक्षा में सफलता प्राप्त की थी.

बिहार में इंजीनियरिंग छात्रा की मौत, बेड पर मिला शव.. कमरे के बाहर लगा था ताला

पटना, एजेंसी। पटना के बिहटा थाना क्षेत्र के राघोपुर गांव में सोमवार की देर शाम एक किराए के मकान में रह रही इंजीनियरिंग कॉलेज की छात्रा का शव संदिग्ध परीस्थिति में मिला. जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई. पुलिस की टीम और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची. मृतक छात्र की पहचान औरंगाबाद जिला के ओबरा प्रखंड निवासी की 23 वर्षीय बेटी के रूप में हुई है.

छात्रा पिछले 3 सालों से बिहटा में किराए के मकान में अकेले रहा करती थी. पुलिस ने घटना की जानकारी मृतका के परिजनों को दी, जिसके बाद मृतका के परिजन औरंगाबाद से घटनास्थल पर पहुंचे हैं. इधर मकान मालिक रामअयोध्या सिंह ने बताया कि मृतक छात्रा बिहटा के एक निजी कॉलेज में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थी.

मकान मालिक ने आगे बताया कि छात्रा का काफी अच्छा स्वभाव था. शाम को मुझे फोन के जरिए जानकारी मिली कि उसका कमरा बाहर से ताला बंद है और अंदर लाइट और पंखा चल रहा है. वहीं काफी फोन करने के बाद भी उसने फोन नहीं उठाया, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई.

पुलिस ने कमरे के ताला को तोड़ा तो अंदर छात्रा मृत अवस्था में थी. उन्हें आशंका है कि छात्रा की हत्या हुई है.

छात्रा के पिता ने लगाया बड़ा आरोपः इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतक छात्रा के पिता ने बताया कि कल सुबह 10 बजे मेरी बड़ी बेटी से बात हुई थी और आज शाम को जानकारी मिली कि मौत हो गई है. मुझे शक है कि मेरी बेटी की हत्या हुई है, वो आत्महत्या नहीं कर सकती है, वो बहुत बहादुर थी.

इधर घटना को लेकर मृतक छात्रा की बड़ी बहन ने बताया कि कल सुबह 10:30 बजे छोटी बहन से बात हुई थी. वो अच्छे से बात कर रही थी लेकिन सोमवार शाम को पुलिस के द्वारा जानकारी मिली कि उसका कमरा बाहर से बंद है और फोन नहीं उठा रही है.

छात्रा की बहन ने बताया कि वो आज गांव जाने वाली थी. हालांकि उससे पहले पुलिस के द्वारा परिजनों को जानकारी मिली. बहन का कहना है कि सभी लोग मौके पर पहुंचे देखा कि उसकी हत्या हुई है. उसकी बहन हमेशा बताती थी कि घरवाले और किरायेदार से कुछ बात को लेकर विवाद हुआ था. परिजनों को शक है कि इन्हीं लोगों के द्वारा हत्या की गई और दरवाजा को बाहर से बंद कर दिया गया है.

इधर बिहटा थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया की जानकारी मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है और एफएसएल टीम भी जांच की है. हत्या है या आत्महत्या यह रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट हो पाएगा. फिलहाल मृतक छात्रा का मोबाइल फोन जब्त किया गया और जांच की जा रही है. साथ ही मृतका के परिजनों के तरफ से लिखित आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी. शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है.

संक्षिप्त समाचार

नील की गली में लगी सील तोड़कर निर्माण के विरोध में उपाध्यक्ष से मिले

मेरठ। पुराने मानचित्र को स्वीकृत बताकर शहर सर्राफा बाजार की नील गली की तंग गली में किए जा रहे अवैध निर्माण के विरोध में लोगों ने उपाध्यक्ष से मिलकर नाराजगी जताई। बिनेश कुमार तेवतिया ने क्षेत्रीय लोगों से पहुंचकर ज्ञापन दिया आरोप लगाया कि अवैध निर्माण पर मेरठ विकास प्राधिकरण द्वारा लगाई गई सील को दबंग बिल्डर के कहने पर ठेकेदार व मजदूर ने तोड़कर फेंक दिया निर्माण चालू कर दिया। लोगों ने कहा कि तंग गली के गेट पर अवैध निर्माण से तीन मंजिल के लेंटर डाल दिए हैं। इस गली के अंदर करीब 125 गज का पुराना निर्माण तोड़कर अवैध निर्माण से तीन मंजिल बना लिया है। गली की दुकानें मिलाकर करीब 21 दुकानों का कॉम्प्लेक्स बनाया जा रहा है। शिकायत और बीते दिनों प्राधिकरण ने सील लगाई थी जिसे तोड़कर फिर से निर्माण शुरू कर दिया गया है। उपाध्यक्ष संजय कुमार मीना ने कार्रवाई का भरोसा दिया।

खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका पर सख्ती, होगी कार्रवाई

गोरखपुर , एजेंसी। सहालग सीजन को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावट पर जांच प्रक्रिया तेज करने जा रहा है। टीमें रोजाना ऐसे संदिग्ध स्थानों की पहचान करेगी, जहां मिलावटी पनीर के निर्माण या बिक्री की आशंका अधिक है। शादियों के इस मौसम में पनीर की मांग बढ़ने के साथ मिलावट की आशंका भी बढ़ जाती है, जिस पर विभाग नजर बनाए हुए है। पिछले वर्ष नवंबर, दिसंबर और इस साल जनवरी, फरवरी के लगन सीजन में विभाग की ओर से 15 से अधिक पनीर के नमूने लिए गए थे। जांच रिपोर्ट में ये नमूने अधोमानक पाए गए, हालांकि उन्हें मानव उपभोग के लिए पूरी तरह असुरक्षित नहीं माना गया था। इसके बावजूद विभाग ने ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की थी। खाद्य सुरक्षा विभाग पहले भी मिलावटी पनीर के कारोबार में लिप्त विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कदम उठा चुका है। एक मामले में आरोपी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। इसके अलावा, जंगल छत्रधारी क्षेत्र के गुलरिहा में संचालित एक फैक्टरी को भी सील किया गया था। इस बार अभियान और अधिक सख्ती से चलाया जाएगा।

स्कूल में छात्रों पर मधुमक्खियों का हमला, मची चीख-पुकार

मेरठ , एजेंसी। छावनी स्थित पीएम श्री (केंद्रीय विद्यालय) डोगरा लाइंस में सोमवार को मधुमक्खियों के झुंड ने छात्रों पर हमला कर दिया। खेल के पीरियड के दौरान अचानक हुए हमले में कई बच्चे घायल हो गए। बच्चों के चीखने-चिल्लाने से स्कूल परिसर में अफरातफरी मच गई और अभिभावक आनन-फानन में स्कूल पहुंचे। स्कूल प्रशासन के अनुसार, सोमवार को गेम्स पीरियड के दौरान शिक्षक तीसरी कक्षा के छात्रों को मैदान की ओर ले जा रहे थे। उसी दौरान मधुमक्खियों का एक झुंड वहां से गुजर रहा था। किसी छात्र के पत्थर फेंके जाने से मधुमक्खियां भड़क गईं और बच्चों की ओर मुड़ गईं। इस हमले में 20 से 30 बच्चों को मधुमक्खियों ने काट लिया। स्कूल के प्राचार्य सुचित्र कुमार सक्सेना ने बताया कि स्कूल परिसर में कोई मधुमक्खी का छत्ता नहीं है। मधुमक्खियों का झुंड संयोग से वहां से गुजर रहा था। हमले के बाद बच्चों को स्कूल के मेडिकल रूम में प्राथमिक उपचार दिया गया और अभिभावकों को सूचित कर बच्चों को उनके साथ घर भेज दिया गया। प्राचार्य ने कहा कि कोई भी बच्चा गंभीर रूप से घायल नहीं है और सभी की स्थिति सामान्य है। पिछले कुछ समय में मेरठ में मधुमक्खियों के हमलों के मामले सामने आने के कारण अभिभावकों में पहले से ही चिंता थी, जिसके चलते वे तुरंत स्कूल पहुंचे।

शारीरिक के साथ आत्मिक विकास भी जरूरी : सेठी

मेरठ , एजेंसी। बैसाखी के उपलक्ष्य में आर्य समाज थापर नगर ने कदम पब्लिक स्कूल में नई पीढ़ी को धर्म संस्कृति के प्रति जागरूक करने के लिए यज्ञ, भजन एवं प्रवचन कार्यक्रम किया। विद्यालय प्रबंधक संजीव चौधरी, प्रधानाचार्य पारुल चौधरी, शिक्षक ने यजमान के रूप में आहुतियां दीं। आचार्य सत्य प्रकाश शास्त्री के ब्रह्मत्व में यज्ञ सम्पन्न हुआ। आर्य समाज थापर नगर के प्रधान राजेश सेठी ने बैसाखी पर्व के सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। सेठी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका अर्जित करना नहीं बल्कि श्रेष्ठ गुणों का विकास कर समाज व परिवार के प्रति दायित्वबोध कराना भी है। उन्होंने कहा कि जब तक शिक्षा में नैतिकता और धार्मिक मूल्यों का समावेश नहीं होगा, तब तक समग्र विकास संभव नहीं है। इसलिए शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आत्मिक विकास भी जरूरी है। भजन उपदेशक पंडित दिनेश पथिक ने भजनों एवं देशभक्ति गीतों से वातावरण को ओजपूर्ण बना दिया। उन्होंने पहेलियों के माध्यम से महापुरुषों एवं स्वतंत्रता सेनानियों का स्मरण कराते हुए बच्चों में उत्साह और देशभक्ति का संचार किया। इस अवसर पर वरिष्ठ संघ प्रचारक सूर्य देव त्यागी, प्रधान लोकेंद्र सिंह, सुशील बंसल, विजय बंसल, कृष्ण कुमार वर्मा, दिनेश कक्कड़, अशोक सुधाकर, प्रीति सेठी, संजय गुप्ता रहे।

दुबई से सट्टे का कॉर्पोरेट नेटवर्क, बिटकॉइन-डॉलर में थी डीलिंग

फ्रेंचाइजी बांटकर चल रहा था बाजार

कानपुर , एजेंसी। सट्टे और ऑनलाइन का काला कारोबार भी अब कॉरपोरेट कंपनियों की तर्ज पर संचालित किया जा रहा है। शातिर अपना नेटवर्क फैलाने के लिए कॉरपोरेट कंपनी की तरह फ्रेंचाइजी बांटकर पूरे खेल को अंजाम दे रहे हैं। सोमवार को बर्रा पुलिस ने जिन आठ लोगों को जेल भेजा है। वह दुबई से संचालित सट्टे बाजार की फ्रेंचाइजी की ब्रांच नंबर 24 है। यूपी में इसे नोएडा से संचालित किया जा रहा है। शहर का एक युवक मोहित इस ब्रांच का मुखिया बताया जा रहा है।

पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने कहा कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह प्रति माह तनख्वाह पर काम कर रहे हैं। उन्हें सट्टे और गेमिंग में जीतने वाले लोगों को भुगतान करने का काम दिया गया है। उनके पास पार्सल के माध्यम से पासबुक, डेबिट कार्ड, आधार, सिम आदि पूरी किट आती है। उनकी एक आईडी है जिसके माध्यम से वह इस किट से भुगतान करते हैं।

भुगतान की जानकारी नोएडा में बैठे अधिकारियों द्वारा व्हाटसएप ग्रुप पर भेजी जाती है। वह जिस रकम को विजेताओं को देते हैं] वह साइबर ठगों द्वारा डिजिटल अरेस्ट, हनीट्रैप, ब्लैकमेलिंग जैसे साइबर अपराध से जुटाई गई होती है। उदाहरण देकर समझाया कि वह साइबर ठगों से उनकी एक लाख की रकम को महज 60 हजार रुपयों में खरीद लेते हैं। इसके बाद इस रकम को विजेता के खाते में भेजते हैं।

कमाई को डॉलर या बिटकॉइन में बदल लिया जाता : यही वजह ही आए दिन सट्टा खेलने वालों का बैंक अकाउंट फ्रीज कर दिया जाता है। कहा कि गेमिंग एप से जुड़ने के लिए लोगों को उनके सरगना से आईडी खरीदनी पड़ती है। आईडी मिलने के बाद ही गैंग के सदस्य उन्हें सट्टा खिलवाते हैं। वहीं, टिंग एप से होने वाली कमाई को डॉलर या बिटकॉइन में बदल लिया जाता है। उनके सिम अलग-अलग बैंकों के खातों से जुड़े होते हैं।

टैक्सी-कैब से घूमकर करते भुगतान : पुलिस कमिश्नर ने बताया कि अक्सर एक जगह से ठगी से जुड़े बैंक ट्रांजेक्शन या कॉल को पुलिस हॉट स्पॉट के रूप में चिह्नित कर लेती है। ऐसे में शातिर पुलिस को चकमा देने के लिए टैक्सी और कैब में घूम-घूमकर रकम ट्रांसफर करने की रणनीति अपना रहे थे। इन आरोपियों ने एक जिले से दूसरे जिले तक घूम कर भुगतान किया है।डीसीपी साउथ ने बताया कि सितंबर 2025 में रतनलालनगर के हैप्पी टॉवर से बर्रा पुलिस ने इसी गैंग के सदस्यों को पकड़ा था। उनसे पूछताछ के बाद से पुलिस अन्य साथियों को खोज रही थी। तब उन्होंने भी बताया था कि उनके पास पार्सल आता है।

ये था पूरा मामला : बर्रा पुलिस ने दुबई से संचालित बेटिंग एप से जुड़े आठ लोगों को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेजा। पकड़े गए आरोपियों में गुजैनी का सत्यम तिवारी, बर्रा पांच का अनमोल विश्वकर्मा, डब्ल्यू-1 साकेतनगर का नितिन गुप्ता, धर्मेंद्रनगर का अभिषेक वर्मा, नेहरूनगर निवासी हितेश निगम, बनिया बाजार कैंट निवासी स्नेहिल बजाज, आवास विकास हंसपुरम का सुल्तान अहमद और नौशाद शामिल हैं। सभी को बर्रा पीले पुल के पास से पकड़ा गया।

हर माह 25 से 50 हजार रुपये की सैलरी मिलती थी : डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि आरोपी प्रतिबंधित गेमिंग एप लोटस 365, रेडी बुक, कार्तिकेय और दुबई ईएक्सएच पर सट्टा खिला रहे थे। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उनके वॉट्सएप ग्रुप पर बैंक खाते के नंबर और भेजी जाने वाली धनराशि की डिटेल आती थी। इसके बाद जीतने वाले व्यक्ति के बताए गए खाते में उतनी रकम जमा कर देते थे। इसके बदले उन्हें हर माह 25 से 50 हजार रुपये की सैलरी मिलती थी।

बड़ी रकम लगाने पर हरा दिया जाता : खास बात ये है कि पकड़े गए शातिर सट्टा जीतने वालों को साइबर ठगी की रकम भेजकर खपा रहे थे। आरोपियों ने कबूला है कि वह चर्चित बेटिंग एप के क्लोन तैयार कर लोगों को सट्टा खिला रहे थे। जो लोग भी एप पर सट्टा खेलने आते हैं उन्हें पहले छोटी-छोटी रकम तो जिता दी जाती, लेकिन बड़ी रकम लगाने पर उसे हरा दिया जाता है। लोगों को सट्टे और ऑनलाइन गेमिंग की लत लगाने के लिए लग्जरी लाइफ वाले वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए जाते थे। पकड़े गए शातिरों के अकाउंट में तीन महीने के भीतर एक अरब से ज्यादा का ट्रांजेक्शन मिला है। पुलिस इन सभी से पूछताछ करके पूरे नेटवर्क का खुलासा करने का प्रयास कर रही है।

हेड कांस्टेबल ने खुद को बताया पत्रकार, चौकी इंचार्ज से हाथापाई...नेम प्लेट टूटी; कार को छुड़ाने पहुंचा था

वाराणसी, एजेंसी। हाथापाई तक की नौबत हो गई। इस दौरान चौकी इंचार्ज का नेम प्लेट भी टूटकर गिर गया। उच्चाधिकारियों के आदेश पर एसीपी राजातालाब ने जांच शुरू कर दी है। वहीं, हेड कांस्टेबल की कार सीज कर दी गई है।

13 अप्रैल 2025 को भदोही के गोपीगंज निवासी संतोषी देवी की मिर्जामुराद क्षेत्र के गुड़िया गांव के समीप सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी, जिसमें प्राथमिक की दर्ज होने के बाद घटना में शामिल स्विफ्ट कार को चालक समेत बिहार से मिर्जामुराद पुलिस ने पकड़ा।

पुलिस ने की कार्रवाई

इस मामले में रामनगर थाने के हेड कांस्टेबल जो कि मूल रूप से बिहार के निवासी और बिहार से बरामद कार और चालक सौरभ सिंह से संबंध होने का हवाला देकर उसे छोड़ने के लिए चौकी इंचार्ज रामचंद्र यादव पर दबाव बनाए। तब तक छह से सात की संख्या में अन्य युवक भी पहुंच गए। दोनों तरफ से नोकझोंक शुरू हो गई।

चौकी इंचार्ज समेत पुलिसकर्मियों से दुर्व्यवहार करने वाले आरोपियों की कार सीज कर दी गई। लखनऊ नंबर की स्विफ्ट कार सीज हुई तो वाहन स्वामी राकेश सिंह के नाम रजिस्टर्ड है। पुलिस को बाद में मालूम चला कि राकेश सिंह रामनगर थाने के दीवान हैं।

चौकी प्रभारी का आरोप है कि राकेश सिंह उनसे उलझ गए जिसमें उनके वर्दी पर लगी नेम प्लेट टूट कर गिर गई। हेड कांस्टेबल को मुकदमे में पकड़े गए युवक को छुड़ाने के मामले में दबाव न बनाने की हिदायत देते हुए छोड़ दिया गया। एसीपी राजातालाब अजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि उच्चाधिकारियों के आदेश पर जांच की जा रही है।

'पढ़ना-लिखना नहीं आता, कहां से दें पढ़ाई का डाटा', 12000 बुजुर्गों की एक साल से अटकी पेंशन

कानपुर, एजेंसी। आधार कार्ड को आयु प्रमाण के तौर पर अमान्य किए जाने के बाद कानपुर के 12 हजार बुजुर्गों की पेंशन रुक गई है। अब विभाग शैक्षिक प्रमाण पत्र या कुटुंब रजिस्टर मांग रहा है, जो अधिकांश गरीबों के पास नहीं है।

केस वन- अधिकारी और बाबू नहीं दे रहे सही जवाब : मनोहरनगर बर्रा दो के रहने वाले राजकुमार ने 2024 में वृद्धा पेंशन के लिए आवेदन किया था। करीब पांच माह बीतने के बाद 2025 में कागजातों का सत्यापन होकर पात्र सूची में नाम शामिल हो गया लेकिन अभी तक एक बार भी पेंशन नहीं मिली। कई बार कार्यालय आए लेकिन कोई सही जवाब न अधिकारी ने दिया न बाबू ने। अब नए नियम के कागजात मांग रहे हैं जो एक भी नहीं हैं।

केस दो- एक साल से चक्कर काटकर रहा : कल्याणपुर के बरसाइतपुर के रहने वाले रमेश चंद्र का पात्र सूची में नाम मई 2025 में शामिल हो चुका था। पेंशन की स्वीकृति के लिए नाम भी भेज दिया गया था लेकिन पेंशन आज तक नहीं मिली। अब नए नियमों में कागजात मांगे गए, तो उन्होंने बताया कि हम तो अंगूठा लगाते हैं ये कागजात कहां से लाएं। एक साल से चक्कर काटकर थक गया हूं।

कानपुर जिले के 12 हजार लोग वृद्धावस्था पेंशन के नए नियमों से परेशान हैं। इनकी एक साल से पेंशन अटकी हुई है।

ये अंगूठाछाप हैं। इनसे शैक्षिक प्रमाणपत्र और कुटुंब रजिस्टर मांगा जा रहा है। अंगूठाछाप होने से शैक्षिक प्रमाणपत्र नहीं हैं और कुटुंब रजिस्टर में उम्र नहीं दर्ज है। 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को हर महीने एक हजार रुपये पेंशन मिलती है।

यह राशि उनके दवा और राशन का सहारा होती है। यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने आधार को आयु प्रमाण से मानने से इन्कार कर दिया है। इसके बाद समाज कल्याण विभाग ने नए नियम लागू किए हैं। अब केवल कुटुंब रजिस्टर या शैक्षिक प्रमाण पत्र ही मान्य हैं। अधिकांश गरीब और अशिक्षित बुजुर्गों के पास ये दस्तावेज नहीं हैं।

करीब 12 हजार नए आवेदन एक साल से लंबित हैं : ग्रामीण क्षेत्रों में कई कुटुंब रजिस्टर में जन्मतिथि दर्ज नहीं है या गलत है। इससे बुजुर्ग लेखपाल, पंचायत और तहसील के चक्कर काट रहे हैं। उनकी कमजोर सेहत और आर्थिक तंगी दफ्तर जाने में बाधा बन रही है। समाज कल्याण विभाग के 94,470 बुजुर्ग पेंशनधारक हैं। करीब 12 हजार नए आवेदन एक साल से लंबित हैं। बुजुर्गों का कहना है कि नए नियमों ने उन्हें फिर से मुश्किल में डाल दिया है।

खुद को आईपीएस बताकर फेसबुक पर की दोस्ती, फिर महिला से ठग लिए 1.29 लाख रुपये

बरेली। बरेली में एक महिला से साइबर ठगी का मामला सामने आया है। शातिर ने खुद को आईपीएस अफसर बताकर फेसबुक पर दोस्ती की। फिर उसे झांसा देकर कई बार में रकम ट्रांसफर करा ली। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

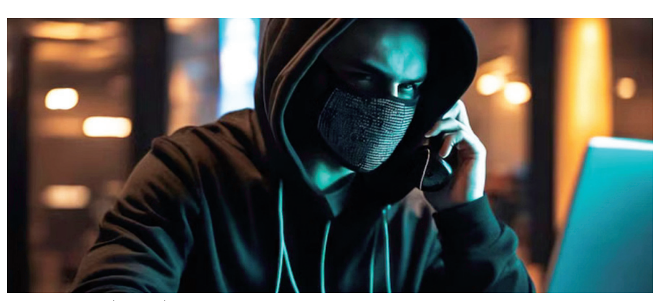

बरेली के बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र में शातिर ने खुद को आईपीएस और खुफिया मिशन पर तैनाती बताकर फेसबुक पर महिला से दोस्ती कर ली। बाद में उसे ब्लैकमेल कर रुपये ट्रांसफर करा लिए। महिला के वकील भाई ने बिथरी चैनपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिथरी क्षेत्र के एक गांव निवासी अधिवक्ता ने बताया कि उनकी बहन के फेसबुक मैसेंजर पर लक्ष्य पांडेय आईपीएस नाम से संदेश आया। उसने खुद को आईपीएस अधिकारी बताया। कहा कि वह खुफिया मिशन पर लंदन में तैनात है। धीरे-धीरे उसने उनकी बहन से दोस्ती कर ली। 29 मार्च को अपना जन्मदिन बताकर अपने साथी रोहित शर्मा के जरिये उनकी बहन को पार्सल भेजने की बात कही। रोहित ने उनकी बहन को कॉल कर बताया कि कस्टम ने पार्सल पकड़ लिया है।

कस्टम से पार्सल छुड़ाने के बदले लेते रहे रुपये

पार्सल में आईफोन, हीरे का हार, डॉलर और सोने की अंगूठी होने की बात बताकर झांसा दिया। एयरपोर्ट अधिकारियों से पार्सल छुड़वाने के लिए 30 हजार रुपये उनकी बहन से ट्रांसफर करा लिए। पार्सल पर आईपीएस लक्ष्य पांडेय का पति के रूप में नाम लिखा होने की बात कहकर सीबीआई अफसर बने ठगों ने उनकी बहन पर रिपोर्ट दर्ज करने की धमकी दी।

इसके बाद उनकी बहन से तीन बार में 47,800, 9000, 73,000 रुपये और ले लिए। कुल 1,29,000 रुपये उनकी बहन से खातों में ट्रांसफर करा लिए। थाना प्रभारी राजेश बाबू ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

खिलाड़ियों को नहीं लगेगा झटका, इनडोर कांप्लेक्स में बिछी खास मैपल वुड फ्लोरिंग

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ में खिलाड़ियों के लिए खेल सुविधाओं का स्तर अब नई ऊंचाई छूने जा रहा है। नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में बने मंडल के पहले अत्याधुनिक इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन और बास्केटबॉल कोर्ट पर ऐसी खास मैपल वुड फ्लोरिंग बिछाई गई है, जो दौड़ते-कूदते समय खिलाड़ियों को झटके से बचाएगी। 'एयर-रिलीज' तकनीक से लैस यह फ्लोरिंग न सिर्फ चोट के खतरे को कम करेगी, बल्कि खिलाड़ियों के प्रदर्शन को भी बेहतर बनाएगी।

38 मीटर लंबे और 35 मीटर चौड़े इस विशाल हॉल में फ्लोरिंग को तीन परतों में तैयार किया गया है। इसकी तकनीक इतनी उन्नत है कि जब खिलाड़ी कोर्ट पर दौड़ेंगे या कूदेंगे, तो उनके पैरों के दबाव से फ्लोरिंग के नीचे मौजूद हवा बाहर निकल जाएगी। इस एयर-रिलीज सिस्टम का फायदा यह है कि खिलाड़ियों के घुटनों और टखनों पर झटका नहीं लगेगा।

कांप्लेक्स के निर्माण और तकनीकी बारीकियों को समझाते हुए अभियंता मनु गर्ग ने बताया कि इसे बेहद वैज्ञानिक तरीके से बनाया गया है। पहली परत के लिए आधार के रूप में सबसे नीचे आरसीसी की पक्की परत बिछाई गई है। दूसरी परत के रूप में इसके ऊपर मैपल वुड की लकड़ी लगाई गई है। इसके नीचे विशेष प्लास्टिक पैड लगाए गए हैं जो शॉक एब्जॉर्बर का काम करते हैं। सबसे ऊपर सिंथेटिक फ्लोरिंग की गई है, जो खेल के दौरान बेहतरीन ग्रिप प्रदान करती है।

क्यों चुनी गई मैपल की लकड़ी : अभियंता मनु गर्ग के अनुसार, मैपल वुड अपनी अत्यधिक मजबूती और टिकाऊपन के लिए जानी जाती है। यह घिसावट झेलने में दुनिया की सबसे सक्षम लकड़ियों में से एक है, इसीलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बास्केटबॉल कोर्ट और बॉलिंग एली बनाने में इसी का उपयोग होता है।

तीन चिकित्सकों को ओपीडी से हटाया, मरीज परेशान

अलीगढ़ , एजेंसी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल में ओपीडी कर रहे तीन चिकित्सकों को अचानक हटाकर इमरजेंसी और आईसीयू में तैनात कर दिया गया है। ऐसे में ओपीडी में आने वाले मरीजों को उपचार देने का जिम्मा एक ही चिकित्सक के कंधे पर आ गया है। व्यवस्था बिगड़ती देख अस्पताल प्रशासन ने जेएन मेडिकल कॉलेज से आए जूनियर रेजीडेंट को तैनात कर दिया है।

डीडीयू अस्पताल में मरीजों के उपचार के साथ ही अमरनाथ यात्रा के लिए प्रमाणपत्र बनवाने वालों की भीड़ बढ़ गई। यहां हर दिन करीब 1100 से 1200 मरीज अस्पताल में उपचार कराने पहुंच रहे हैं। दोनों को चिकित्सकों के परामर्श के साथ विभिन्न प्रकार की जांच कराना आवश्यक है। ऐसे में अस्पताल पर दबाव बढ़ गया है।

इसी बीच सीएमओ ने ओपीडी में मरीजों का उपचार कर रहे डॉ. वाईपी सिंह, डॉ. मेहुल मित्तल व डॉ. अंकुर अग्रवाल को हटाकर इमरजेंसी व आईसीयू की ड्यूटी पर लगा दिया। यह तीनों चिकित्सक हर दिन जनरल मरीज के साथ सांस और अन्य बीमारियों के लगभग 250 से अधिक मरीजों का उपचार करते थे। एक फिजिशियन डॉ. पी कुमार को शासन ने अमरनाथ यात्रियों का प्रमाण पत्र जारी करने के कार्य में लगा रखा है।

यह भी हर दिन करीब 90 से 10 मरीजों का उपचार करते थे। मरीज घंटों कतार में खड़े रहते हैं, इलाज में देरी हो रही है और गंभीर बीमारियों वाले मरीजों की स्थिति और बिगड़ रही है। डॉक्टरों की कमी से परेशान मरीज लौटने पर मजबूर हैं।

नमो केंद्र में दवा और साड़ी कारोबारियों के लिए बनाई जाएंगी 844 दुकानें

वाराणसी, एजेंसी। सप्तसागर के पास 532 दवा और 800 से ज्यादा साड़ी कारोबारी हैं। जिले में 10 हजार बुनकर हैं। योजना के तहत कुल 0.82 हेक्टेयर भू-भाग पर जी-प्लस सिक्स कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। इसे एक साल में तैयार किया जाना है। कॉम्प्लेक्स निर्माण क्षेत्रफल 48365.10 वर्ग मीटर रहेगा। व्यापारियों से 100 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। 45 करोड़ रुपये राज्य वित्त आयोग से मिले अनुदान की बचत से लिया जाएगा।

होम स्टे, पेईंग गेस्ट हाउस के लिए 1500 रुपये वार्षिक लाइसेंस शुल्क: कार्यकारिणी ने मैदागिन के पेट्रोल पंप के पट्टे का नवीनीकरण कर 55,000 रुपये मासिक किराया निर्धारित कर दिया है। साथ ही होम स्टे, पेईंग गेस्ट हाउस के लिए 1500 रुपये वार्षिक लाइसेंस शुल्क को भी हरी झंडी दी है। साथ ही विभिन्न श्रेणियों के भवनों और केंद्रों के नियमावली सरलीकरण को भी मंजूरी दी गई है।

ट्रॉमा सेंटर और कैंसर अस्पताल में मुफ्त वाई-फाई सुविधा जल्द : काशी को स्मार्ट सिटी के मानकों पर खरा उतारने के लिए डिजिटल कनेक्टिविटी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दूसरे चरण में नगर निगम बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर, बीएचयू अस्पताल और कैंसर अस्पताल में मुफ्त वाई-फाई की सुविधा देगा।

स्थगित हुई बैठक, नहीं हो सकी जनहित मुद्दों पर चर्चा : चर्चा के दौरान बिना अनुमति के कुछ अधिकारियों के बार-बार सभागार में आने-जाने से नाराज मेयर ने बैठक अगले आदेश तक के लिए स्थगित कर दी। इस वजह से जनहित और विकास से जुड़े मुद्दों चर्चा नहीं हो सकी। अब से टेंडर जारी होने के ठीक एक सप्ताह में ठेकेदार के साथ अनिवार्य रूप से अनुबंध की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए, ताकि कार्य तत्काल शुरू हो सके। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने चेतावनी दी कि भविष्य में कार्यों की गुणवत्ता में कमी पाई गई तो अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

55 प्रवर्तन दल को और प्रभावी बनाने का लिया निर्णय : शहर की यातायात व्यवस्था और सुंदरता को बिगाड़ने वाले अतिक्रमणकारियों पर लगाम के लिए 55 प्रवर्तन दल को और प्रभावी बनाने का निर्णय लिया गया है। अब सुरक्षाकर्मियों की संख्या 21 से बढ़कर 40 की जाएगी। श्रमिकों की संख्या 25 से बढ़ाकर 40 की जाएगी। हर जोन में कम से कम चार श्रमिक रहेंगे।

सलारपुर और पहाड़िया में बिजली उपकेंद्र बनाने की हरी झंडी : सलारपुर और पहड़िया में नए बिजली उपकेंद्रों के निर्माण का रास्ता साफ हो गया। विद्युत उपकेंद्रों (पावर हाउस) के निर्माण के लिए भूमि आवंटन को मंजूरी दे दी गई। नए उपकेंद्रों के बनने से सलारपुर, शिवपुर और पहाड़िया सहित आसपास के बड़े रिहायशी इलाकों को लो-वोल्टेज और बिजली कटौती की समस्या से निजात मिलेगी।

बिजली उपभोक्ता स्मार्ट मीटर को अपनाएं और बिजली बिल में बचत की शुरुआत करें

स्मार्ट मीटर से दिन में बिजली जलाना 20: तक सस्ता

हरदा,(निप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं को आधुनिक और पारदर्शी बिजली सेवाओं से जोड़ने के लिए ष्स्मार्ट मीटरिंगष् अभियान को तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। कंपनी ने न केवल तकनीक में सुधार किया है, बल्कि उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ पहुँचाने के लिए श्टाइम ऑफ डेश् टैरिफ के तहत सोलर ऑवर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक 20 प्रतिशत की छूट भी प्रदान की जा रही है। यह छूट इस अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड / अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने बताया है कि कंपनी कार्यक्षेत्र में उपभोक्ता परिसरों में स्मार्ट मीटर की स्थापना का कार्य तीव्रता से जारी है। भोपाल जिले में अब तक 4 लाख 84 हजार से अधिक परिसरों में स्मार्ट मीटर सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं। इसी प्रकार पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र के 16 जिलों यथा अशोकनगर, बैतूल, भिण्ड, भोपाल, ग्वालियर, दतिया, गुना, हरदा, मुरैना, नर्मदापुरम, रायसेन, राजगढ़, सीहोर, श्योपुर, शिवपुरी एवं विदिशा जिले में अब तक 9 लाख 18 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। आरडीएसएस योजना के तहत पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में 26 लाख 79 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित किये जाने है और आगामी महीनों में स्मार्ट मीटर स्थापना के कार्य में और तेजी लाई जाएगी।

कंपनी की अपील: बनें स्मार्ट उपभोक्ता

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपने सभी बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे स्मार्ट मीटर स्थापना के लिए आने वाली तकनीकी टीम का सहयोग करें। स्मार्ट मीटर के माध्यम से बिलिंग संबंधी शिकायतों और गलत रीडिंग की समस्या पूरी तरह से खत्म हो गई है। स्मार्ट मीटर न केवल सटीक रीडिंग सुनिश्चित करते हैं, बल्कि उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ने वाले बोझ को भी कम करते हैं। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे के बीच बिजली खपत पर ऊर्जा प्रभार में 20 प्रतिशत की सीधी छूट दी जा रही है। इससे वाशिंग मशीन, इंडक्शन चूल्हा या अन्य भारी उपकरणों का उपयोग दिन में करना अब काफी किफायती हो रहा है। उपभोक्ता कंपनी के मोबाइल ऐप उपाय के माध्यम से अपनी प्रतिदिन की बिजली खपत को ट्रैक कर सकते हैं, जिससे अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण संभव है। स्मार्ट मीटर के संबंध में किसी भी जानकारी अथवा समस्या के निराकरण हेतु कॉल सेन्टर 1912 अथवा नोडल अधिकारी श्री कैलाश कुमार चौधरी, प्रबंधक(स्मार्ट मीटरिंग सेल) से ईमेल आईडी पर संपर्क किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने विदिशा जिले की 271347 लाडली बहनों के बैंक खातों में ट्रांसफर की 40 करोड़ रूपए की राशि

विदिशा,(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज सीहोर जिले के आष्टा से 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना के तहत 35वीं किस्त के रूप में1,836 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की है। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से विदिशा जिले की 271347 महिलाओ के बैंक खातों में 40 करोड रुपये की राशि अंतरित की गई है। विदिशा के एनआईसी व्हीसी कक्ष में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, विदिशा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शर्मा सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और लाडली बहनाएं मौजूद रहीं। इस दौरान उपस्थित सभी के द्वारा मुख्यमंत्री जी के लाइव उद्बोधन को देखा, सुना गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता कांसबा ने विदिशा जिले की लाभान्वित लाडली बहनों की जनपद व निकायवार जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान जनपद पंचायत बासौदा की 40483, ग्यारसपुर की 24300, कुरवाई की 27310, लटेरी की 25552, नटेरन की 33161, सिरोंज की 36584, विदिशा की 29327, नगरपालिका गंजबासौदा की 11948 ,सिरोंज की 8746, विदिशा की 25579, नगर परिषद कुरवाई की 2990, लटेरी की 3337 , शमाशाबाद की 2030 मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की लाभार्थी महिलाओं के खाते मे राशि अंतरित की जाएगी। राशि अंतरण के कार्यक्रम का प्रसारण सभी आंगनवाडी केन्द्रों व पंचायत मुख्यालयों पर लाडली बहनों को देखने सुनने के प्रबंध सुनिश्चित किए गए थे।

अम्बेडकर जयंती पर आदिवासी बालक छात्रावास में हुआ वृहद श्रमदान

बैतूल,(निप्र)। डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को शहर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसी क्रम में प्रात: 8 बजे आदिवासी बालक छात्रावास परिसर गुरूद्वारा रोड गंज में वृहद श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रावास परिसर में स्थापित डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा के आसपास व्यापक साफ-सफाई की गई। साथ ही परिसर में स्थित जल कुंड के संरक्षण एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से श्रमदान किया। इस स्वच्छता अभियान में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य श्री विवेक पांडे, सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग के जिलास्तरीय छात्रावासों के अधीक्षकगण एवं सहायक आयुक्त कार्यालय के समस्त कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए परिसर की साफ-सफाई सुनिश्चित की।

ग्रामीणों ने सुनाई खरी-खोटी, विधायक बोले- विरोध ही कर लो

नर्मदापुरम, (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के बनखेड़ी के ग्राम मल्काजरा रविवार को पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी और जनता के बीच सीधा टकराव हुआ। रोड, नाली की समस्या को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने विधायक को घेर खूब खरी खोटी सुनाई। इस पर विधायक भी गुस्सा हो गए। उन्होंने कहा अब आप विरोध ही कर लो। गांव मल्काजरा में विधायक के विरोध के वीडियो आज सोशल मीडिया पर सामने आया है। विधायक ठाकुरदास नागवंशी, अपनी पत्नी और भाजपा पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि के साथ ग्राम मल्काजरा में गांव चले अभियान के तहत एक रोड का भूमिपूजन करने पहुंचे थे। विधायक के पहुंचने के बाद ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को लेकर विधायक ठाकुर दास का विरोध शुरू कर दिया।ग्रामीण पानी, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर नाराज थे। ग्रामीणों द्वारा जमकर विरोध करने पर विधायक ठाकुर दास नाराज हो गए। उन्होंने हाथ जोड़ने और उंगली दिखाते हुए बोले 'आप लोग विरोध ही करते रहो...' विधायक के इस बयान के बाद मौके पर माहौल और ज्यादा खराब हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी समस्याएं लंबे समय से जस की तस बनी हुई हैं, लेकिन समाधान नहीं हो रहा है। एक ग्रामीण यह भी कहते सुनाई दें रहा कि आपको चार बार वोट देकर जीता रहे, विधायक बना रहे। पर हमारी समस्या का समाधान नहीं हुआ।

विधायक की पत्नी और महिलाओं को घेरा

ग्रामीणों ने विधायक की पत्नी और महिला समर्थकों जिस गाड़ी से गए थे। उसे भी ग्रामीणों ने घेर लिया। उन्हें भी खूब खरी खोटी सुनाई। विधायक ठाकुरदास नागवंशी ने कहा हम रोज क्षेत्र के दौरे पर रह रहे है। रविवार को मल्काजरा गांव हुए थे। जहां रोड का भूमिपूजन किया। कुछ ग्रामीणों के कहना था कि रोड से पहले नाली बनाओ। जबकि रोड के साथ नाली बनेंगी ही।

बाल विवाह रोकथाम हेतु विवाह से जुड़ी सेवाएं देने वालों से अपील

हरदा। जिला प्रशासन हरदा द्वारा आगामी 20 अप्रैल को ''अक्षय तृतीया'' के अवसर पर बड़ी संख्या में होने वाले विवाह समारोहों की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए बाल विवाह की संभावनाओं को रोकने के उद्देश्य से विवाह से संबंधित सभी सेवा प्रदाताओं से विशेष अपील की गई है। जिला हरदा के विवाह से जुड़ी सभी सेवाएं देने वाले पंडित, धर्मगुरु, होटल, केटरर, टेंट हाउस संचालक, बैंड-बाजा वाले, ब्युटी पार्लर, घोड़ी-बग्गी संचालक, मैरिज गार्डन मालिक, छायाकार, स्टूडियो संचालक एवं अन्य आयोजकों से अनुरोध किया गया है कि वे विवाह से पूर्व बालक-बालिका की आयु का सत्यापन अवश्य करें।

प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अनुराग दुबे ने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिका एवं 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत अपराध की श्रेणी में आता है। ऐसे विवाह न केवल कानूनन वर्जित हैं, बल्कि बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर भी विपरीत प्रभाव डालते हैं। उन्होने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे समाज में बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को समाप्त करने में प्रशासन का सहयोग करें तथा किसी भी बाल विवाह की सूचना तत्काल संबंधित विभाग को दें।

मां बेतवा के उदगम स्थल ग्राम झिरी से नदी संरक्षण का संदेश

उद्गम स्थल से प्रवाहित नदियां सदानीरा होती है: श्री नागर

रायसेन,(निप्र)। नदियों को बचाने के लिए उनके उद्गम स्थलों 6जलस्रोतों8 का संरक्षण अनिवार्य है, क्योंकि यहीं से नदी का शुद्ध जल आगे प्रवाहित होता है। उद्गम स्थल से प्रवाहित नदिया ही सदानीरा होती है। उद्गम स्थल ही नदी के अस्तित्व और मानवीय स्वास्थ्य का आधार होते हैं। अगर इन्हे नहीं बचाया गया तो नदियों के साथ-साथ मानव जीवन भी संकट में पड़ जाएगा। यह बात आज बेतवा नदी उदगम स्थल ग्राम झिरी में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर राज्य मंत्री दर्जा ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंर्तगत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा नवांकुर संस्थाओं एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के श्रमदान एवं भव्य नदी संवाद कार्यक्रम में कही। इस दौरान श्री नागर ने कहा कि हम नदी स्थलों को पर्यटन का केन्द्र बनाकर गंदगी कर चले जाते हैं, हमें नदियों को स्वच्छ रखने सामुदायिक प्रयास करने होंगे। मॉ बेत्रवति की धारा को निरंतर बनाएं रखने में स्थानीय लोगों की भूमिका अहम है, जन अभियान परिषद की तरफ से एक अनऔपचारिक समिति का गठन कर हम उदगम स्थल की देखरेख में सहयोग कर सकते हैं। इस दौरान संत नारायण नागर श्री श्री जी आवलीघाट वालों ने नदी के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान, त्रिवेणी पेड़ लगाए गए, मां बेतवा उदगत स्थल का पूजन एवं कलश यात्रा निकाली गई। उदगम स्थल पर श्रमदान कर सफाई की गई। इस दौरान संभाग समन्वयक श्री वरूण आचार्य ने जल गंगा संवर्धन अभियान पर जानकारी देते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। संवाद कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला श्री समन्वयक कल्याण सिंह राजपूत, ब्लाक समन्वयक निशा बहेकार सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

टोल बचाने रॉन्ग साइड दौड़ रहे ट्रक-डंपर :नर्मदा पुल के पास अचानक कट मारने से हादसे का खतरा

नर्मदापुरम,(निप्र)। औबेदुल्लागंज-बैतूल हाईवे स्थित नर्मदा पुल के पास ट्रक, डंपर चालक 'शॉर्टकट' रास्ता अपना रहे हैं। हाईवे पर अचानक रॉन्ग साइड (नियम विरुद्ध) तरह से गाड़ी निकालने से खुद के साथ लोगों की जान खतरे में डाल रहे। ड्राइवर बुधवाडा टोल प्लाजा पर टोल बचाने के लिए यह शॉर्ट कट रास्ता अपना रहे हैं, जिससे एक्सीडेंट का खतरा बना रहता है। रॉन्ग साइड से डंपर पार कराने से सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, साथ ही आम जनता की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है।

नर्मदापुरम से भोपाल जाते समय नर्मदा नदी के पुल से डेढ़ किमी दूर टोल बूथ है। टोल बूथ पर होने के बाद ही भोपाल से बैतूल जाने वाली सड़क पर आया जा सकता है। टोल पार करने से ड्राइवरों को टैक्स देना पड़ेगा। इसलिए ड्राइवर नियम विरुद्ध तरह से सड़क पार कर रहे हैं। अचानक इस तरह सड़क पार करने से दोपहिया और चार पहिया वाहनों के लिए दुर्घटना का जोखिम बना रहता है।

नर्मदापुरम में खेल मंत्री ने मल्टीस्पोर्ट्स टर्फ का किया शुभारंभ

विश्वास सारंग बोले- फिट युवा ही बना सकता है देश को मजबूत

नर्मदापुरम ,(निप्र)। मप्र के सहकारिता एवं खेल मंत्री विश्वास सारंग रविवार रात को अल्प प्रवास पर नर्मदापुरम पहुंचे। खेल मंत्री ने दादा कुटी पहुंचकर वहां पूजन की। फिर उन्होंने एक अत्याधुनिक खेल परिसर का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में खेल मंत्री सारंग ने हर व्यक्ति के लिए खेल के महत्व को बताया।

उन्होंने कहा मैंने एक किताब में पढ़ा था कि शिकागो सम्मेलन से लौटकर आने के बाद विवेकानंद जी के पास कुछ युवा पहुंचे और बोले कि हम चाहते है कि आपके जैसे मार्ग पर चले, भगवा पहन संन्यास लेना चाहते है। सनातन का परचम लहराकर देश को विश्व का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाएं। विवेकानंद मुस्कुराएं बोले कि भारत देश को बड़ा बनाना चाहते हो तो उसके लिए भगवा धारण, संन्यास लेने की जरूरत नहीं, वो सामने फुटबॉल का मैदान पड़ा है। वहां जाओ, खेलों, अपने शरीर, मन, मस्तिष्क को ठीक करो। इस देश का नागरिक, युवा शारीरिक, मानसिक रूप से सुदृढ़ होगा, तभी यह भारत बड़ा देश बनेगा।

खेल मंत्री ने कहा खेल किसी व्यक्ति को समाज के सुव्यवस्थित नागरिक बनाने की एक प्रक्रिया है। हर एक व्यक्ति, समाज का हर एक अंग खेल से जुड़े। हिंदुस्तान को हिट करना है तो फिट करना होगा। फिटनेस के दौर में आज हम सभी तेज गति से आगे बढ़े। यही हमारा संकल्प होना चाहिए। खेल मंत्री ने लोकार्पण के साथ ही बैटिंग भी की। इस दौरान सांसद दर्शन सिंह चौधरी, विधायक विजयपाल सिंह, आचार्य पंडित सोमेश परसाई, आध्यात्मिक गुरु सांई बल्लभदास, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, पूर्व विधायक सविता दीवान, जनपद अध्यक्ष, भूपेन्द्र चौंकाने सहित अन्य उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने खेतों में पहुंचकर किया गेहूॅ की वास्तविक उपज का निरीक्षण

हरदा,(निप्र)। जिले में किसानों को गेहूं उपार्जन हेतु पंजीयन स्लॉट बुक करने में आ रही समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने ग्राम स्तर पर पहुंचकर किसानों के खेतों का निरीक्षण किया। उन्होने ग्राम अहलवाडा में जाकर किसानों से सीधे संवाद किया एवं उनकी समस्याओं को समझा। इस दौरान उन्होंने खेतों में खड़ी एवं कटाई उपरांत रखी गई गेहूं की फसल का अवलोकन कर वास्तविक उपज का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को स्लॉट बुकिंग में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होने स्पष्ट किया कि शासन किसानों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध है तथा उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

नवागत कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने किया पदभार ग्रहण

बैतूल,(निप्र)। नवागत कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने आज कलेक्ट्रेट पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, संयुक्त कलेक्टर श्री मकसूद अहमद, एसडीएम डॉ. अभिजीत सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार वर्ष 2017 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ. सौरभ संजय सोनवणे को बैतूल जिले के कलेक्टर के रूप में पदस्थ किया गया है। उक्त आदेश के पालन में उन्होंने अपना पदभार ग्रहण किया।

जिले में आगमन पर नवागत कलेक्टर डॉ. सोनवणे का अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट सहित अन्य अधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। डॉ. सोनवणे इससे पूर्व आयुक्त नगर निगम रीवा सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

रोस्टर निर्धारित कर योजनाओं के क्रियान्वयन की होगी नियमित समीक्षा : नवागत कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे से आज कलेक्ट्रेट में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा सौजन्य भेंट कर उनका स्वागत किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों से परिचय प्राप्त करते हुए विभागीय प्रशासनिक संरचना, प्रगतिरत एवं स्वीकृत निर्माण कार्यों, योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उनकी प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विभागवार रोस्टर निर्धारित कर योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा की जाएगी। साथ ही, उन्होंने कलेक्टर कार्यालय भवन का निरीक्षण कर विभिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली की जानकारी भी प्राप्त की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

केवल उत्पादन करना काफी नहीं, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के साथ उसकी प्रोसेसिंग भी जरूरी : मंत्री पटेल

रायसेन,(निप्र)। रायसेन स्थित दशहरा मैदान में आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय उन्नत कृषि महोत्सव के दूसरे दिन उन्नत कृषि विषय पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। इसी क्रम में सेमीनार हॉल-1 में एफपीओ मीट का आयोजन किया गया, जिसमें केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, मप्र शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, कृषि मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना, सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा सहित विधायकगणों, वरिष्ठ अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों तथा किसानों द्वारा सहभागिता की गई।

इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि केवल उत्पादन करना ही काफी नहीं है। गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और उसकी प्रोसेसिंग भी जरूरी है। एफपीओ कृषक उत्पादक संगठन की स्थापना छोटे-छोटे किसानों को एक मंच पर लाकर उनकी आय बढ़ाना और कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उद्देश्य के साथ की गई। इसकी आवश्यकता इसलिए महसूस हुई क्योंकि पहले किसानों को जो बीज मिलता था, वह कई बार ऊगता ही नहीं था। इसी प्रकार किसी दवाई या कीटनाशक के उपयोग से फसल को ही नुकसान होने या नकली खाद देने की स्थिति में संबंधित पर कार्रवाई नहीं हो पाती थी। बिचौलिए भी किसानों की मेहनत की उपज का सही दाम नही देते थे और स्वयं कई गुना लाभ कमाते है। इन कठिनाईयों से किसानों को बचाने के लिए एफपीओ की स्थापना की गई। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने कहा कि किसानों के बीच भरोसा बढ़ाने और उत्पाद की गारंटी के लिए एफपीओ की स्थापना की गई, जिसमें किसानों को सामूहिक शक्ति प्रदान कर बिचौलियों की श्रृंखला को समाप्त करने पर काम किया गया ताकि फसल का उचित मूल्य सीधे किसानों को मिल सके। इसके अलावा छोटे किसान जो व्यक्तिगत रूप से बीज, खाद या मशीनरी महंगे में खरीदते हैं, उन्हें एफपीओ के माध्यम से थोक दर पर इनपुट (बीज, उर्वरक, पेस्टिसाइड) कम कीमत पर उपलब्ध कराई जाती है। इसी प्रकार किसानों को उत्पाद की मार्केटिंग, ब्रांडिंग और प्रोसेसिंग की सुविधा मिली है जिससे कि वह केवल कच्चा माल नहीं बेचते बल्कि वैल्यू एडिशन (मूल्य संवर्धन) के द्वारा अधिक लाभ कमाते हैं। इसके अलावा एफपीओ युवाओं को रोजगार से जोड़ने का काम भी करता है। इस दौरान एफपीओ से जुड़े किसानों द्वारा भी अपने अनुभव साझा किए गए।

वर्ष 2026 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन 9 मई को होगा

हरदा,(निप्र)। नालसा, नई दिल्ली और मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदा, श्री अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में पूरे जिले में लंबित प्रकरणों तथा प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किये जाने हेतु 9 मई, 2026 को वर्ष की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय, हरदा तथा तहसील न्यायालय, टिमरनी और खिरकिया में किया जावेगा। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदा, श्री चंद्रशेखर राठौर ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य सिविल और आपराधिक शमनीय प्रकरण, परक्राम्य अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरण, बैंक रिकवरी संबंधी मामले, एमएसीटी प्रकरण , वैवाहिक प्रकरण, श्रम विवाद प्रकरण, भूमि अधिग्रहण के प्रकरण, विद्युत बिल, जलकर, सम्पत्तिकर बिल संबंधी प्रकरण सेवा मामलें, जो सेवा निवृत्ति लाभों से संबंधित है, राजस्व तथा अन्य सभी प्रकार के राजीनामा योग्य, प्री-लिटिगेशन (मुकदमा पूर्व) प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। उन्होंने आमजन से नेशनल लोक अदालत में दी जाने वाली छूट का लाभ प्राप्त कर राजीनामा योग्य प्रकरण का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से करने की अपील की।

संपादकीय

स्थायी शांति के लिए हो हर स्तर पर पहलकदमी

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद हाल ही में जब युद्धविराम पर सहमति बनी थी, तब एक उम्मीद पैदा हुई कि संभवतः दोनों पक्ष जल्दी ही स्थायी समाधान तक पहुंचने की कोशिश करेंगे। हालांकि इस बीच लेबनान पर इजरायल के हमले जारी रहने की वजह से युद्धविराम खतरे में पड़ता दिखा। इसके बावजूद पाकिस्तान के इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता से यह उम्मीद बंधी थी कि संभवतः युद्ध खत्म होने की कोई राह निकलेगी। मगर वार्ता की विफलता की जैसी जैसी खबरें आईं, वे निराश करने वाली हैं। दरअसल, रविवार को बातचीत खत्म होने के बाद अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच फासला कम करने और समझौता कराने की पूरी कोशिश की गई, लेकिन हम किसी समझौते तक नहीं पहुंच सके। दूसरी ओर, ईरान की ओर से कहा गया कि अमेरिका की ह्यअत्यधिक गैरवाजिब मांगोंह्ण और उसके रुख में लचीलापन न होने के कारण दोनों देशों के बीच हुई बातचीत किसी समझौते के बिना खत्म हो गई।

जाहिर है, इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच लगभग इक्कीस घंटे चली बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। इसीलिए इसे एक विफल वार्ता कहा जा रहा है। सवाल है कि जब दोनों पक्षों के सामने विवाद के मुद्दे स्पष्ट थे, तो क्या वे इन पर व्यावहारिक रुख अख्तियार करते हुए युद्ध खत्म करने के मकसद के साथ एक कदम पीछे, चार कदम आगे के सूत्र पर काम नहीं कर सकते थे।

अमेरिका किसी भी समझौते तक पहुंचने के लिए ईरान से परमाणु हथियार नहीं बनाने और इस

क्षमता को हासिल करने के लिए जरूरी उपकरण जुटाने से दूर रहने का आश्वासन चाहता है। वहीं ईरान का कहना है कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए कई रचनात्मक योजनाएं पेश कीं, लेकिन अमेरिकी ईरान का विश्वास हासिल नहीं कर सके। जब युद्ध खत्म करने की इच्छा के पीछे ईमानदारी हो, तो वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए शर्तों को पूरा किए जाने की मांग के जिद में तब्दील होने से बचने के हालात बनाने की जरूरत होती है।

बातचीत के प्रमुख मुद्दों में ईरान में युद्ध का पूरी तरह अंत, ईरान की जब्त संपत्तियां परमाणु कार्यक्रम, युद्ध मुआवजा, प्रतिबंधों को हटाना और होर्मुज जलमार्ग शामिल थे। मगर क्या इन मसलों पर दोनों पक्षों की ओर से व्यावहारिक नजरिया अपनाए बिना किसी ठोस हल तक पहुंचा जा सकता है? यह समझना मुश्किल है कि जब ईरान के मुताबिक चौदह दिनों के युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर भी हमले रोकना भी शामिल था, तो इजरायल को लेबनान के नागरिक ठिकानों पर हमला करके शांति की उम्मीद पर चोट करने की क्या जरूरत थी। गौरतलब है कि इजरायल के इसी हमले के बाद ईरान ने दोबारा होर्मुज जलमार्ग को बंद करने की घोषणा कर दी थी। सिर्फ इस जलमार्ग के बाधित होने की वजह से भारत सहित दुनिया के बहुत सारे देशों में प्राकृतिक गैस और तेल की आपूर्ति पर व्यापक असर पड़ा है। यह सही है कि अमेरिका और ईरान के जैसे संबंध रहे हैं, उसमें सब कुछ ठीक हो जाने की उम्मीद करना मुश्किल है। मगर लंबे अरसे के बाद दोनों देशों के बीच बातचीत का अवसर निकला था।

इसलिए शांति वार्ता के नाकाम होने के बावजूद जरूरत इस बात की है कि सबसे पहले कम से कम युद्धविराम को बनाए रखने के लिए सभी पक्ष संवेदनशील रहें। और किसी भी पक्ष की ओर से आक्रामक बयानबाजी के बजाय स्थायी शांति के लिए संवाद की गुंजाइश बनाने के लिए हर स्तर पर पहलकदमी हो।

लापरवाही और संवेदनहीनता अपराध की गंभीरता को और त्रासद बना देती है

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक बच्ची से बलात्कार और उसकी हत्या के मामले ने फिर यही साबित किया है कि शासन-तंत्र और पुलिस से लेकर अस्पतालों तक पसरी व्यापक लापरवाही और संवेदनहीनता दरअसल अपराध की गंभीरता को और त्रासद बना देती है। यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि एक मासूम के खिलाफ पहले अपराधी बर्बरता से पेश आता है, फिर दो निजी अस्पतालों को उसके जीने-मरने की परवाह नहीं होती और पुलिस भी घनघोर लापरवाही बरतती है। यह मामला भी शायद संवेदनहीनता के दुश्चक्र में उलझ कर दम तोड़ देता, लेकिन इसमें न्याय के लिए गुहार सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची और अदालत ने इस पर सख्त रुख अख्तियार किया। खबरों के मुताबिक, मजदूरी करके गुजारा करने वाले एक व्यक्ति की चार वर्षीय बेटी से पड़ोस के एक युवक ने बलात्कार किया और ईंट से वार कर उसे मरने के लिए छोड़ दिया। बेटी को खोजने के बाद जब पिता उसे लेकर इलाज के लिए गए, तो दो निजी अस्पतालों ने उपचार करने से मना कर दिया। आखिर में बच्ची को एक सरकारी अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। यानी अपराध की वीभत्सता के बाद जिन अस्पतालों को सबसे पहले बच्ची की जान बचाने की कोशिश करनी चाहिए थी, वहां उन्होंने मना कर दिया। त्रासदी यहीं नहीं रुकी। इसके बाद पोस्टमार्टम रपट में साक्ष्य के बावजूद पुलिस ने प्राथमिकी में बलात्कार की धारा नहीं जोड़ी और न ही पाक्सो अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया। पुलिस ने पीड़ित परिवार का उत्पीड़न किया और कहानियां बनाती रही। अव्वल तो लचर कानून-व्यवस्था की वजह से जघन्य अपराध की घटना होती है। फिर उसके बाद भी पुलिस को जरूरी कार्रवाई करने से कौन रोकता है। यह बेवजह नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार, संबंधित थाना प्रभारी, दोनों निजी अस्पतालों और कार्यकारी मजिस्ट्रेट के प्रति सख्त रुख अख्तियार किया है। अदालत ने यहां तक कहा कि मामले के तथ्य और परिस्थितियों ने हमारी अंतरात्मा को झकझोर दिया। उत्तर प्रदेश सरकार आए दिन राज्य में अपराध पर पूरी तरह काबू पाने के दावे करती रहती है, लेकिन एक मासूम के खिलाफ हुई बर्बर घटना और उसके बाद पुलिस की संवेदनहीनता क्या दर्शाती है?

आज का कार्टून

ऊर्जा सुरक्षा की नई चुनौती...

> सौर ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण इस परिवर्तन को और अधिक व्यावहारिक बना सकते हैं। भारत में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं और छतों पर सौर पैनल लगाने की प्रवृत्ति धीरे-धीरे बढ़ रही है। यदि घरों में दिन के समय उत्पन्न ऊर्जा को बैटरी में जमा कर रखी जाए और शाम के समय खाना पकाने में उपयोग किया जाए, तो मांग पर दबाव कम किया जा सकता है। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर ऊर्जा का आदान-प्रदान भी एक समाधान हो सकता है, जिसमें पड़ोसी एक-दूसरे के साथ अतिरिक्त बिजली साझा करते हैं। इस प्रकार की ऊर्जा प्रणाली न केवल अधिक लचीली होती है, बल्कि यह ऊर्जा आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा देती है। नीतिगत स्तर पर भी कई सुधारों की आवश्यकता है। रसोई गैस पर दी जाने वाली सबसिडी का एक हिस्सा बिजली आधारित उपकरणों को बढ़ावा देने के लिए उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा सस्ती और उन्नत तकनीक वाले उपकरणों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

देवेंद्रराज सुथार

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के सैन्य हमले के बाद रसोई गैस की आपूर्ति में आई बाधाओं ने भारत की ऊर्जा व्यवस्था में संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर कर दिया है। देश प्रतिवर्ष रसोई गैस के आयात पर लगभग 26.4 अरब डालर खर्च करता है। इस आयात का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से होकर ऐसे समुद्री मार्गों से आता है जो भू-राजनीतिक तनावों के प्रति अत्यंत संवेदनशील हैं। होर्मुज जलमार्ग पर किसी भी प्रकार की अस्थिरता का सीधा असर भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ता है।

हालिया वैश्विक परिस्थितियों ने स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा के लिए बाहरी निर्भरता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक जोखिम भी है। इस पृष्ठभूमि में जब घरेलू स्तर पर गैस की उपलब्धता प्रभावित होती है या कीमतों में तेजी आती है, तो इसका सबसे अधिक असर उन परिवारों पर पड़ता है, जिनके लिए रसोई गैस दैनिक जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है। इस संकट ने यह प्रश्न खड़ा किया है कि क्या भारत को अपनी ऊर्जा संरचना में व्यापक परिवर्तन की आवश्यकता है?

भारत में रसोई गैस का प्रसार पिछले एक दशक में तेजी से हुआ है। वर्ष 2015 में जहां देश में लगभग 15 करोड़ रसोई गैस कनेक्शन थे, वहीं वर्ष 2025 तक यह संख्या बढ़ कर 33 करोड़ से अधिक हो गई। यह वृद्धि मुख्यतः सरकारी योजनाओं के कारण संभव हुई, जिनका उद्देश्य स्वच्छ ईंधन को गरीब और ग्रामीण परिवारों तक पहुंचाना था। इसके बावजूद वास्तविकता यह है कि देश के लगभग 37 फीसद परिवार अब भी पारंपरिक ईंधन जैसे लकड़ी, उपले और कोयले पर निर्भर हैं। इसका एक प्रमुख कारण रसोई गैस की बढ़ती लागत है।

जब एक सिलेंडर की कीमत घरेलू आय के अनुपात में अधिक हो जाती है, तो गरीब परिवार पारंपरिक ईंधन की ओर लौट जाते हैं। इससे न केवल प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी पैदा होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, घरेलू वायु प्रदूषण से हर वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु होती है।

भारत की ऊर्जा संरचना में एक बड़ी चुनौती इसकी आयात निर्भरता है। देश अपनी लगभग साठ फीसद रसोई गैस और लगभग आधी प्राकृतिक गैस की आवश्यकता आयात से पूरी करता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में रसोई गैस और प्राकृतिक गैस का कुल आयात बिल 26.4 अरब डालर तक पहुंच गया, जो छह वर्ष पहले की तुलना में लगभग 50 फीसद अधिक है। यह वृद्धि वैश्विक बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव और मांग में वृद्धि के कारण हुई है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ता है।

सरकार की ओर से दी जाने वाली सबसिडी इस प्रभाव को कुछ हद तक कम कर सकती है, परंतु बढ़ते वित्तीय दबाव के कारण इसे लंबे समय तक बनाए रखना कठिन हो जाता है। ऐसे में उपभोक्ताओं को अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। इस स्थिति ने वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की खोज को अनिवार्य बना दिया है।

इस समय बिजली आधारित खाना पकाने का विकल्प एक महत्त्वपूर्ण समाधान के रूप में उभर रहा है। हाल के अध्ययनों से यह संकेत मिला है कि शहरी क्षेत्रों में बिजली से खाना बनाना रसोई गैस की तुलना में सस्ता

पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, दिल्ली में चार सदस्यों वाले एक परिवार के लिए बिजली आधारित चूल्हे से खाना पकाना रसोई गैस की तुलना में लगभग 37 फीसद सस्ता पाया गया, जबकि पाइप गैस की तुलना में यह लगभग 14 फीसद सस्ती है।

ऊर्जा दक्षता के दृष्टिकोण से भी बिजली आधारित उपकरण अधिक प्रभावी होते हैं। इंडक्शन चूल्हे में लगभग 85 फीसद ऊर्जा सीधे बर्तन तक पहुंचती है, जबकि गैस बर्नर में यह केवल चालीस फीसद के आसपास होती है और शेष ऊर्जा वातावरण में नष्ट हो जाती है। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक प्रेशर कुकर जैसे उपकरण ऊर्जा की खपत को और कम कर देते हैं।

हालांकि, इस परिवर्तन के मार्ग में कई चुनौतियां भी हैं। भारतीय रसोई की संरचना और खाना पकाने की शैली विविध और जटिल है। यहां एक ही समय में कई व्यंजन तैयार किए जाते हैं, जिसके लिए कई बर्नर की आवश्यकता होती है। वर्तमान में बिजली से चलने वाले अधिकांश चूल्हे एकल प्लेट वाले होते हैं, जो इस आवश्यकता को पूरा नहीं कर पाते। इसके अलावा कई पारंपरिक व्यंजन उच्च तापमान और खुली आंच की मांग करते हैं, जो गैस के माध्यम से अधिक सहजता से प्राप्त होती है। इसलिए यह आवश्यक है कि तकनीकी नवाचार के माध्यम से ऐसे उपकरण विकसित किए जाएं जो भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल हों। यदि यह अनुकूलन नहीं किया गया, तो उपभोक्ताओं के लिए इस परिवर्तन को अपनाना कठिन रहेगा।

बिजली आधारित चूल्हे के विस्तार का एक बड़ा असर बिजली की मांग पर पड़ता है। गौरतलब है कि भारत में बिजली की अधिकतम मांग वर्ष 2014 में लगभग 148 गीगावाट थी, जो वर्ष 2025 तक बढ़ कर 240 गीगावाट से अधिक हो गई है। यह वृद्धि मुख्यतः शहरीकरण, औद्योगीकरण और तापमान में वृद्धि के कारण हुई है। यदि बड़ी संख्या में परिवार खाना पकाने के लिए बिजली का उपयोग करने लगते हैं, तो यह मांग और अधिक बढ़ सकती है। विशेषकर शाम के समय, जब अधिकांश घरों में खाना पकाया जाता है।

इस चुनौती से निपटने के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग आवश्यक है। स्मार्ट ग्रिड और मांग प्रबंधन प्रणाली इस दिशा में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। 'ओपनएडीआर' जैसी प्रणाली बिजली की मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन स्थापित करने में सहायक है। इसके माध्यम से उपकरणों को इस प्रकार नियंत्रित किया जा सकता है कि वे आवश्यकता अनुसार अपनी ऊर्जा खपत को समायोजित करें। भारत में इसके प्रारंभिक उपयोगों में सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, जहां अत्यधिक मांग को कम करने में सफलता मिली है।

सौर ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण इस परिवर्तन को और अधिक व्यावहारिक बना सकते हैं। भारत में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं और छतों पर सौर पैनल लगाने की प्रवृत्ति धीरे-धीरे बढ़ रही है। यदि घरों में दिन के समय उत्पन्न ऊर्जा को बैटरी में जमा कर रखी जाए और शाम के समय खाना पकाने में उपयोग किया जाए, तो मांग पर दबाव कम किया जा सकता है। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर ऊर्जा का आदान-प्रदान भी एक समाधान हो सकता है, जिसमें पड़ोसी एक-दूसरे के साथ अतिरिक्त बिजली साझा करते हैं। इस प्रकार की ऊर्जा प्रणाली न केवल अधिक लचीली होती है, बल्कि यह ऊर्जा आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा देती है।

नीतिगत स्तर पर भी कई सुधारों की आवश्यकता है। रसोई गैस पर दी जाने वाली सबसिडी का एक हिस्सा बिजली आधारित उपकरणों को बढ़ावा देने के लिए उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा सस्ती और उन्नत तकनीक वाले उपकरणों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। नए घरों और शहरी विकास योजनाओं में बिजली आधारित रसोई को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। साथ ही, गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं का भरोसा बना रहे। यदि ये कदम उठाए जाते हैं, तो यह परिवर्तन अधिक सुगम और प्रभावी हो सकता है। रसोई गैस की आपूर्ति में आई बाधाएं केवल एक अस्थायी संकट नहीं हैं, बल्कि वे भारत की ऊर्जा व्यवस्था में एक गहरे परिवर्तन की आवश्यकता को दर्शाती हैं।

कूटनीति के जरिए पेट्रोलियम आपूर्ति को रखा बरकरार

> 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद पूरी दुनिया की चिंता ऊर्जा को लेकर थी। आज की दुनिया ऊर्जा के लिए जीवाश्म तेलों पर सबसे ज्यादा निर्भर है, जिसे हम पेट्रोल और डीजल के रूप में जानते हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस भी आज ऊर्जा की बड़ी स्रोत है। ईरान पर हमले के पहले बहुत लोगों ने होमुर्ज जलडमरूमध्य का नाम नहीं सुना था, लेकिन आज हर पढ़ा-लिखा और सचेत शख्स इसे जान गया है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित इस संकरे समुद्री रास्ते पर ईरान का कब्जा है। इसके जरिए पूरी दुनिया को आपूर्ति होने वाला बीस प्रतिशत पेट्रोलियम पदार्थ इसी रास्ते से गुजरता रहा है।

उमेश चतुर्वेदी

जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। लेकिन भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी। भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का करीब 85 फीसद हिस्सा आयात करता है। इसका आधा हिस्सा होमुर्ज के रास्ते ही आता था। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार होमुर्ज के रास्ते भारत रोजाना ढाई से 2.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात करता था। लेकिन ईरान पर हमले के बाद यह घटकर इसका आधा ही रह गया है। वैसे तो होमुर्ज पर ओमान का भी दावा माना जाता है, लेकिन हकीकत में इस जलमार्ग पर पूरी तरह ईरान का दबदबा है। हमले के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस रास्ते पर ना सिर्फ निगरानी बढ़ा दी है, बल्कि सीमित आवाजाही हो ही मंजूरी दी है।

भारत को इसकी आशंका थी, इसलिए उसने खाड़ी के देशों से तेल आयात के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया। संकट के क्षण में भले ही ईरान ने भारत के

प्रति सहयोगी रूख अख्तियार कर रखा है, लेकिन भारत ने 'केप ऑफ गुड होप' यानी अफ्रीका के दक्षिण से गुजरने वाले जलमार्ग का भी उपयोग बढ़ा दिया है। इस बीच भारत ने कूटनीतिक प्रयास जारी रखा। इसका असर यह हुआ कि ईरान भारतीय जहाजों को होमुर्ज से गुजरने की अनुमति दे रहा है। एलपीजी लदा एक जहाज कोचीन आ चुका है और ऐसे ही कुछ और जहाज तेल और गैस लेकर भारत आ रहे हैं। इस बीच भारत ओमान की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों को अपनी नौसेना के जरिए सुरक्षा दे रहा है। भारत सरकार के अनुसार, भारतीय रिफायनरियों के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। इस बीच भारत ने रूस से भी कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बढ़ा दी है। इसका असर यह हुआ है कि भारत में जिस तरह की महंगाई की आशंका थी, वैसी नहीं दिखी। हालांकि उद्योगों के लिए आपूर्ति किए जाने वाले व्यवसायिक गैस सिलिंडर की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। तेल की बढ़ती कीमतों और व्यवसायिक गैस की आपूर्ति कम होने के चलते खाने-पीने वाली चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। महानगरों में सर्वसुलभ ठेले की चाय की कीमतें डेढ़ गुनी तक बढ़ चुकी हैं। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला जारी रहने के चलते स्थिति खराब नहीं हुई है। जबकि पड़ोसी पाकिस्तान में आधी गाड़ियों को ही सड़कों पर उतरने की अनुमति है, वहां पेट्रोल भारत के मुकाबले करीब ढाई गुनी ऊंची दर पर मिल रहा है।

पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद कूटनीति की कमान प्रधानमंत्री मोदी ने संभालते हुए युद्ध शुरू होने के महज 48 घंटों के भीतर आठ खाड़ी देशों संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत,ओमान, कतर, जार्डन, ओमान, बहरीन और इजरायल के नेताओं से बात की। इसके साथ ही उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां और मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम से बात की। इस बातचीत का मकसद वैश्विक हालात पर चर्चा के साथ ही भारतीय हितों को सुनिश्चित करना भी था। इस बीच 'गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल' के महासचिव जासेम मोहम्मद अल बुदैवी से फोन पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बात की है। इस बातचीत का मकसद खाड़ी देशों के इस संगठन के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के साथ ही भावी ऊर्जा संकट से भारत को मुक्ति दिलाने को लेकर रणनीति बनाना भी है। इसके पहले मंत्री हरदीप पुरी ने कतर की यात्रा की थी। दरअसल भारत इन देशों से भी पेट्रोलियम पदार्थों का आयात बढ़ाना चाहता है। भारत की कोशिश ईरान के विकल्प के रूप में अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए दूसरे देशों का भी सहयोग हासिल करने की है।

भारत को अपनी खेती के लिए रासायनिक खाद की भी जरूरत पड़ती है। भारत में खाद उत्पादन के लिए पेट्रोलियम पदार्थों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। बेशक रूस से भारत को कच्चा तेल और खाद की सामग्री मिल रही है, लेकिन भारत की कोशिश आपूर्ति को विविधरंगी बनाए रखना है। इसकी वजह यह है कि किसी एक देश पर किसी खास आयात के लिए पूरी तरह निर्भर होना भविष्य में ब्लैकमेलिंग की वजह बन सकता है। भारत के पास आज करीब साठ करोड़ का ऐसा विशाल मध्य वर्ग है, जिसकी खरीद क्षमता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शायद ही कोई उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादक देश ऐसा होगा, जिसे भारत की जरूरत महसूस नहीं होगी। लेकिन भारत की अपनी जरूरतें भी हैं और यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था में अगर किसी चीज की गंभीर कमी होती है तो अफरातफरी का माहौल उत्पन्न होना आसान हो जाता है। इससे महंगाई भी बढ़ती है। महंगाई बढ़ने से लोक के बीच नाराजगी बढ़ती है और फिर यह गुस्सा राज व्यवस्था के खिलाफ आंदोलनों के रूप में मुखर होता है। तेल और ईरान संकट को देखते हुए भारत ने कूटनीतिक कार्रवाई करते हुए जिस तरह अपनी जरूरतों के लायक आपूर्ति का संतुलन बनाए रखा है, वह गौर करने लायक है।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल में रचा इतिहास

- शोएब अख्तर समेत 8 खिलाड़ियों की बराबरी की

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपनी प्लेइंग 11 में प्रफुल्ल हिंगे को शामिल किया। प्रफुल्ल ने अपने डेब्यू मैच में ही फिर वो कमाल कर दिया और आईपीएल इतिहास में किसी भी खिलाड़ी ने नहीं किया था। यही नहीं प्रफुल्ल ने शोएब अख्तर समेत 4 खिलाड़ियों की बराबरी भी कर ली।

प्रफुल्ल ने पहले ओवर में 3 विकेट लिए

प्रफुल्ल हिंगे ने राजस्थान के खिलाफ पारी के पहले ही ओवर में 3 विकेट झटके और आईपीएल इतिहास में बतौर डेब्यूटेंट पहले ओवर में 3 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। प्रफुल्ल ने वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल और लुआन–ड्रे प्रिटोरियस को आउट कर राजस्थान को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया। ये तीनों बल्लेबाज तो खाता भी नहीं खोल पाए। प्रफुल्ल की गेंदबाजी का इन सभी बल्लेबाजों को पास कोई जवाब नहीं था और सबने उनके सामने सरेंडर कर दिया। प्रफुल्ल ने इस लीग में 1191 मैचों के बाद पहले ओवर में 3 विकेट लेने का कमाल किया।

पहली पारी में 4 विकेट

2026	प्रफुल हिंगे
2025	अश्विनी कुमार
2019	अल्जारी जोसेफ
2017	एंड्रयू टे
2015	डेविड वाइज
2012	केवोन कूपर
2011	पॉल वाल्थाटी
2009	शादाब जकाती
2008	शोएब अख्तर

पिता करते थे मजदूरी, मां ने गहने बेच कर दिलाए थे जूते

- साकिब हुसैन आईपीएल में यादगार डेब्यू की दास्तां

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का 21वां मैच पूरी तरह से सनराइजर्स हैदराबाद के नाम रहा। इस मुकाबले में हैदराबाद की टीम ने दोनों विभाग में लगातार चार मैच जीतकर आई राजस्थान रॉयल्स की टीम को पीट दिया। इसका सबसे बड़ा श्रेय जाता है, सनराइजर्स के दो डेब्यूटेंट भारतीय तेज गेंदबाजों को। अभी तक इस सीजन बल्लेबाजी में वैभव सूर्यवंशी, मुकुल चौधरी, समीर रिजवी जैसे खिलाड़ियों ने कमाल किया था। अब गेंदबाजी में भी भारत का युवा टैलेंट सामने आ गया है। यह दो नाम हैं प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन के।

30 लाख में खरीदे साकिब

साकिब हुसैन का जन्म बिहार के गोपालगंज में हुआ था। यह खिलाड़ी आईपीएल में नया नहीं है लेकिन बस खेलने पहली बार उतरा। इससे पहले 2024 में केकेआर के लिए इस खिलाड़ी को स्क्वाड में जगह मिली थी। मगर कोलकाता के लिए यह खिलाड़ी खेल नहीं पाया। उसके बाद आईपीएल 2026 के ऑक्शन में सनराइजर्स हैदराबाद ने 30 लाख के बेस प्राइस पर 21 साल के पेसर को खरीदा। यह फैसला सही था, इसे साकिब ने अपने यादगार डेब्यू से साबित किया।

चेन्नई के मैचों का बदला कार्यक्रम

सीजन के बीच क्यों बदल दिए गए वेन्यू?

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के बीच सीजन ही चेन्नई सुपर किंग्स के दो मैचों का कार्यक्रम बदल गया है। आईपीएल द्वारा सोमवार 13 अप्रैल इसकी जानकारी देते हुए रिलीज जारी की गई है। इसके मुताबिक चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले दोनों मैचों के वेन्यू बदल दिए गए हैं। दरअसल दोनों टीमों के बीच होने वाले इस सीजन दोनों मैचों के वेन्यू में अदला-बदली हुई है।

कौन से दो मैचों का बदला कार्यक्रम?

26 अप्रैल को गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होने वाला दोपहर का मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना था। अब इस मैच का वेन्यू अहमदाबाद से बदलते हुए चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में शिफ्ट कर दिया गया है। यह मुकाबला अब चेन्नई में दोपहर 3.30 बजे (IST) से खेला जाएगा। वहीं इन दोनों टीमों के बीच होने वाले सीजन के दूसरे मुकाबले में भी बदलाव हुआ है। यह मैच 21 मई 2026 को होना है और यह शाम 7.30 बजे से शुरू होगा।

वैभव दे सकते है टीम इंडिया में दस्तक

बनेंगे भारत के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी

आयरलैंड टी- 20 दौरे के लिए चयन लगभग तय

नई दिल्ली। जून 2026 में भारत के आयरलैंड दौरे के लिए वैभव सूर्यवंशी के चुने जाने की संभावना है। यदि वह चुने गए तो देश का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनेंगे। इंडियन एक्सप्रेस को मिली जानकारी के अनुसार, चयनकर्ता 15 साल के इस खिलाड़ी को इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल दौरे से ठीक पहले होने वाली इस छोटी T20I सीरीज में बड़ा मौका दे सकते हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र ने इसकी पुष्टि की। सूत्र ने बताया, ''वह आयरलैंड दौरे के लिए दावेदारों में शामिल है और चयनकर्ताओं ने कई अन्य खिलाड़ियों के साथ उसका नाम भी शॉर्टलिस्ट किया है।''

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पिछले सीजन दुनिया के कुछ बेहतरीन गेंदबाजों की जमकर धुनाई की थी। इस साल भी वह उसी लय में खेल रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी ने इस सीजन अब तक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 26 गेंदों में 78 रन, चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 17 गेंदों में 52 रन और मुंबई इंडियंस के खिलाफ 14 गेंदों में 39 रन बनाए हैं। वह बड़े नामों से बिल्कुल भी घबराते हुए नहीं दिखते। उन्होंने जसप्रीत बुमराह (जिन्हें पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा था) और जोश हेज़लवुड जैसे गेंदबाजों का भी पूरे आत्मविश्वास के साथ सामना किया।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी चुने जा सकते हैं वैभव सूर्यवंशी

राष्ट्रीय चयनकर्ता इस युवा खिलाड़ी को भारतीय टीम में शामिल करने के लिए ज्यादा इंतजार करने के मूड में नहीं हैं, लेकिन संभावना है कि वे उसे थोड़ी कमजोर टीम के खिलाफ खेलने का मौका देंगे। अगर वैभव सूर्यवंशी का शानदार रन बनाने का सिलसिला जारी रहता है तो चयन समिति उसे आयरलैंड में होने वाली आगामी सीरीज के साथ–साथ इस साल के अंत में होने वाले जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी चुनेगी। यहां तक कि भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने भी राष्ट्रीय चयनकर्ताओं से कहा है कि वे देर न करें और वैभव सूर्यवंशी को तुरंत टीम में चुन लें। सचिन तेंदुलकर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष क्रिकेटर हैं। सचिन तेंदुलकर ने 1989 में कराची में पाकिस्तान के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू 16 साल और 205 दिन की उम्र में किया था।

वैभव तोड़ सकते हैं शेफाली वर्मा का रिकॉर्ड

पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों की बात करें तो शेफाली वर्मा भारत के लिए खेलने वाली सबसे कम उम्र की क्रिकेटर हैं। शेफाली ने 15 साल, सात महीने और 27 दिन की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। अगर वैभव सूर्यवंशी आयरलैंड दौरे पर खेलते हैं तो वह शेफाली का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। भारत बनाम आयरलैंड टी20 इंटरनेशल सीरीज के दो मैच 26 और 28 जून 2026 को होने हैं। पता चला है कि IPL 2026 के खत्म होने के एक महीने से भी कम समय के भीतर होने वाली इस सीरीज के लिए दूसरी श्रेणी की टीम चुनी जाएगी। चयन समिति वैभव सूर्यवंशी और हाल के समय में अपनी छाप छोड़ने वाले अन्य खिलाड़ियों को इस सीरीज में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव देने के लिए उत्सुक है। आयरलैंड सीरीज के बाद इंग्लैंड का दौरा होगा। एक जुलाई से शुरू होने वाले इंग्लैंड दौरे पर भारत पांच T20 और तीन ODI मैच खेलेगा। इन दोनों सीरीज में कई वरिष्ठ खिलाड़ियों के लौटने की उम्मीद है। बल्लेबाजी के

अपने तरीके के बारे में बताते हुए वैभव सूर्यवंशी कह चुके हैं कि वह कभी भी अपने सामने गेंदबाज के बारे में नहीं सोचते, बल्कि उस गेंद के बारे में सोचते हैं जो उनकी तरफ आ रही होती है।

सचिन का रिकॉर्ड क्लासेन ने तोड़ा

आईपीएल में पहली 50 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-7 बैटर

हैदराबाद। हैदराबाद के बैटर हेनरिक क्लासेन आईपीएल 2026 के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अर्धशतक से चूक गए, लेकिन अपनी टीम के लिए 26 गेंदों पर 40 रन की अहम पारी खेली और इस दौरान 3 छक्के व एक चौका भी लगाया। क्लासेन ने अपनी इस पारी के दम पर सचिन तेंदुलकर का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया।

हेनरिक क्लासेन ने तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड– क्लासेन ने राजस्थान के खिलाफ 40 रन की पारी खेली और आईपीएल की पहली 50 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में वो छठे नंबर पर आ गए। क्लासेन ने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा जो 1683 रन के साथ पहले छठे नंबर पर थे, लेकिन अब वो 7वें नंबर पर आ गए। इस लीग में पहले 50 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर क्रिस गेल हैं जिन्होंने 2236 रन बनाए थे जबकि दूसरे नंबर पर शॉन मार्श 1933 रन के साथ मौजूद हैं। तीसरे नंबर पर माइक हसी हैं जिन्होंने 1777 रन बनाए थे जबकि चौथे नंबर पर ऋतुराज गायकवाड़ 1771 रन बनाए हैं।

पहली 50 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-7 बैटर

- 2236 रन : क्रिस गेल
- 1933 रन : शॉन मार्श
- 1777 रन : माइक हसी
- 1771 रन : ऋतुराज गायकवाड़
- 1725 रन : शेन वॉटसन
- 1704 रन : हेनरिक क्लासेन
- 1683 रन : सचिन तेंदुलकर

8 चौके, 6 छक्के

इशान किशन ने 200 प्लस के स्ट्राइक रेट से ठोके 91 रन

फिर भी बनाया अनचाहा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान इशान किशन ने आईपीएल 2026 के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी की और 44 गेंद पर 91 रन ठोके। उन्होंने अपनी पारी में 8 चौके और छह छक्के लगाए और 200 प्लस के स्ट्राइक रेट से रन ठोके, लेकिन इस मैच में वह शतक से चूक गए। इशान बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन 9 रन पीछे रह गए अपने शतक से। उन्होंने इस बेहतरीन पारी के बावजूद हैदराबाद के लिए एक अनचाहे रिकॉर्ड की लिस्ट में एंट्री कर ली है। इशान किशन सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 90s में आउट होने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले इस लिस्ट में तीन बार डेविड वॉर्नर और एक बार जॉनी बेयरस्टो का नाम दर्ज है।

आईपीएल 2026 में 20 में से 20 बार 200 से ज्यादा का स्कोर

पावरप्ले में रन वर्षा, पांच बार 20 से कम गेंदों पर अर्धशतक

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में 20 मैच हो गए हैं और आंकड़े बताते हैं कि यह अबतक का सबसे विस्फोटक बल्लेबाजी वाला सीजन रहा है। 200 का आंकड़ा आम हो गया है। 20 मैच में 20 बार 200 से ज्यादा का स्कोर बना है। इतनी आसानी से 200 रन बनने का कारण ज्यादा छक्के लगने है। आईपीएल 2026 में छक्के लगने की दर 12.24 है। यानी लगभग हर 13 गेंद पर एक छक्का लग रहा है।

बल्लेबाज पावरप्ले का ज्यादा से ज्यादा से फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। यही कारण है कि 5 बार बल्लेबाज अर्धशतक 20 से कम गेंद पर लगा चुके हैं। आईपीएल में पहली बार 20 मैचों के बाद रन रेट 10 रन प्रति ओवर तक पहुंच गया है। इससे पहले किसी सीजन में 20 मैच के बाद सबसे ज्यादा रन रेट 2025 में 9.52 था। रनरेट में इजाफे का कारण पावरप्ले में विस्फोटक बल्लेबाजी हैं।

- **अंत के ओवरों में रनरेट गिरा–** मिडिल–ओवर का रन रेट भी बढ़ा है, लेकिन 14 प्रतिशत से थोड़ा कम। अंत के ओवरों में रनरेट गिरा है। यह 10 रन प्रति ओवर से थोड़ा ज्यादा है। पिछले चार सालों में डेथ ओवर और पावरप्ले के बीच रन रेट में अंतर कम से कम दो रन प्रति ओवर था। इस साल यह घटकर आधा रन प्रति ओवर रह गया है। 2022 में डेथ ओवर्स में रन रेट 11.57 था। 2026 में यह 10.44 है। 2024 में 11.54, 2023 में 11.2 और 2025 में 11.39 था।
- **200 से ज्यादा का स्कोर 5 बार हासिल–** बल्लेबाजों के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कितनी आसानी से 200 से ज्यादा का लक्ष्य हासिल किया गया है। पिछले साल पहले 20 मैच में 11 बार 200 से ज्यादा का स्कोर बना था। इस बार 20 बार 200 से ज्यादा का स्कोर बना है। पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने 18 पारी में 11 बार इसे हासिल किया है। इससे भी ज्यादा खास बात यह है कि बाद में बैटिंग करने वाली टीमों के लिए लक्ष्य तक पहुंचना काफी नॉर्मल हो गया है।

10 रन प्रति ओवर

आईपीएल इतिहास में पहली बार

आईपीएल 2026 में पहले 20 मैचों के बाद रन रेट 10.00 रन प्रति ओवर तक पहुंचा है। यह किसी भी सीजन में 20 मैच के बाद का अबतक का सर्वोच्च रन रेट है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 2025 का था, जब रन रेट 9.52 था। पावरप्ले में विस्फोटक बल्लेबाजी इस बदलाव की सबसे बड़ी वजह है।

पांच बार 20 से कम गेंदों पर अर्धशतक– आईपीएल 2026 में बल्लेबाज काफी तेजी से अर्धशतक तक पहुंच रहे हैं। अबतक 48 पचासे लगे हैं। पांच अर्धशतक 20 से कम गेंदों पर लग गए हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670